Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...
रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011
संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर
निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 15, अंक 56 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, गुरुवार 01 जनवरी 2026 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

बेटी का बड़ा दावा, पिता बेकसूर, सिर्फ कहानियां बनाई जा रहीं

नई दिल्ली। देश में इन दिनों उन्नाव रेप केस की चर्चा एक बार फिर जोरों पर है। पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग सड़कों से लेकर सोशल मीडिया तक तेज हो गई है। इस बीच दोषी पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की बेटी ऐश्वर्या सेंगर ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि उनके पिता निर्दोष हैं और उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया। ऐश्वर्या ने कहा कि अगर मेरे पिता ने आंख उठाकर भी देखा हो तो उन्हें फांसी की सजा देनी चाहिए। ऐश्वर्या सेंगर का यह बयान उस वक्त आया है, जब हाल ही में दिल्ली हाईकोर्ट ने सेंगर की उम्रकैद की सजा निलंबित कर जमानत दी थी, जिसके खिलाफ व्यापक विरोध हुआ। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के उस फैसले पर स्टे लगा दिया। ऐश्वर्या सेंगर ने कहा कि आठ साल से न्यायपालिका पर पूरा विश्वास है। हम सारे सबूत लेकर घूम रहे हैं। कोई सबूत दिखा दे कि मेरे पिता ने आंख उठाकर भी देखा है, तो फांसी की सजा दीजिए। इस केस के फैक्ट्स को लगातार इग्नोर किया जा रहा है।

बीईएसटी बस हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई चार

मुंबई। मुंबई में बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट (बीईएसटी) बस हादसे में मरने वालों की संख्या चार हो गई है। मंगलवार को अधिकारियों ने दो और लोगों की मौत की पुष्टि की है। बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएमसी) ने एक बयान में कहा कि नौ अन्य लोग घायल हो गए और फिलहाल उनकी हालत स्थिर है। यह घटना सोमवार देर रात हुई। बेकाबू बस ने सड़क किनारे चल रहे 10 से 12 लोगों को कुचल दिया। अधिकारियों के अनुसार, यह हादसा तब हुआ. जब ड्राइवर अपने रूट के आखिरी पॉइंट पर बस को रिवर्स करने की कोशिश कर रहा था। बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट (बीईएसटी) भारत का सबसे बड़ा पब्लिक बस फ्लीट चलाता है। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस, फायर डिपार्टमेंट के अधिकारी और बचाव और राहत टीमें मौके पर पहुंच गईं। घायलों को तुरंत पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण और कोहरे का डबल अटैक

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में सर्दी के साथ-साथ प्रदूषण और घने कोहरे से हालात बेहद गंभीर हैं। लगातार दो दिनों तक अत्यधिक कोहरे की चेतावनी जारी की गई है। वहीं, वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) कई इलाकों में 450 के पार पहुंच गया है। हालात इतने खराब रहे कि बीती रात कई इलाकों में विजिबिलिटी शून्य दर्ज की गई, जिससे सड़क, रेल और हवाई यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। दिल्ली के विभिन्न वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों के आंकड़ों के अनुसार, आनंद विहार में एक्यूआई 451, अशोक विहार में 433, रोहिणी में 446, वजीरपुर में 449 और चांदनी चौक में 432 दर्ज किया गया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक संपन्न

रायपुर में पुलिस कमिश्नर प्रणाली 23 जनवरी से लागू होगी-साय.....

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मंत्रिपरिषद की बैठक में तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों से 5500 रुपये प्रति मानक बोरा की दर से तेंदूपत्ता खरीदने के लिए वर्ष 2026 हेतु ऋण लेने के लिए राज्य शासन की गारंटी देने की अनुमति दी गई। मंत्रिपरिषद ने कोदो, कुटकी और रागी की खरीद, प्रसंस्करण और बिक्री के लिए छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ को कार्यशील पूंजी प्रदाय किये जाने की अनुमति दी गई। मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ को अराष्ट्रीयकृत लघु वनोपज के क्रय, भंडारण, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन के लिए एक बार के लिए 30 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त ऋण देने का निर्णय लिया है। मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम द्वारा राज्य शासन की प्रत्याभूति (गारंटी) पर लिए गए ऋणों के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिया। इसके अंतर्गत राज्य शासन द्वारा 55.69 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान कर पांच राष्ट्रीय निगमों से लिए गए ऋणों की पूर्ण राशि वापस करने का अनुमोदन किया गया। ये राष्ट्रीय निगम हैं- राष्ट्रीय अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम, पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम, अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम और दिव्यांग वित्त एवं विकास निगम। वर्तमान में इन ऋणों पर राज्य शासन द्वारा प्रतिवर्ष लगभग 2.40 करोड़ रुपये ब्याज का भुगतान किया जा रहा है। ऋण की पूरी अदायगी होने पर यह ब्याज व्यय पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। साथ ही राष्ट्रीय निगमों से एनओसी (अदेय प्रमाण पत्र) प्राप्त होने पर शासन की ओर से दी गई 229.91 करोड़ रुपये की लंबित गारंटी देनदारी भी समाप्त हो जाएगी। इस निर्णय से राज्य शासन पर वित्तीय बोझ कम होगा और भविष्य में होने वाले अनावश्यक व्यय से बचत सुनिश्चित होगी। मंत्रिपरिषद ने निर्णय लिया है कि उसना मिलिंग पर प्रोत्साहन राशि 20 रू. प्रति क्विंटल से बढ़ाकर की गई 40 रू. प्रति क्विंटल, सभी मिलरों के लिए प्रोत्साहन राशि की पात्रता हेतु अब न्यूनतम 03 माह की जगह न्यूनतम 02 माह की मिलिंग करनी होगी मंत्रिपरिषद ने औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में संशोधन का निर्णय लिया। इससे नीति के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रचार-प्रसार, विशेषज्ञों की नियुक्ति और सेवा गतिविधि प्रमाणपत्र जारी करने के संबंध में विसंगतियां दूर होंगी। इन संशोधनों से राज्य में निवेश की गुणवत्ता बढ़ेगी, स्थायी रोजगार सृजन होगा और औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। मंत्रिपरिषद ने राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में 20 जनवरी से 5 फरवरी तक आयोजित 9वें ऑटो एक्सपो के दौरान बिकने वाले वाहनों पर लाइफ टाइम रोड टैक्स में 50 प्रतिशत छूट प्रदान करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। यह छूट एक्सपो में वाहन बिक्री के बाद पंजीकरण के समय लागू होगी, जिससे मोटरयान कर में एकमुश्त 50 प्रतिशत की राहत मिलेगी। पूरे प्रदेश के वाहन विक्रेताओं को इसका लाभ मिलेगा, इस संबंध में निर्देशित किया गया है। मंत्रिपरिषद द्वारा प्रदेश में कस्टम मिलिंग के लिए धान उपार्जन एवं परिवहन से संबंधित गतिविधियों के लिए राइस मिलर्स द्वारा दी जाने वाली बैंक गारंटी पर देय स्टाम्प शुल्क को 0.25 से घटाकर 0.05 प्रतिशत करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है।

तेंदूपत्ता संग्राहकों को राहत..

वर्ष 2026 के लिए तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों से 5500 रुपये प्रति मानक बोरा की दर से तेंदूपत्ता खरीद हेतु ऋण लेने पर राज्य शासन की गारंटी देने की अनुमति दी। कोदो, कुटकी और रागी की खरीद, प्रसंस्करण एवं बिक्री के लिए छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ को कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही अराष्ट्रीयकृत लघु वनोपज के क्रय, भंडारण, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन के लिए 30 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त ऋण एकमुश्त प्रदान करने की स्वीकृति दी गई।

राज्य शासन का वित्तीय बोझ होगा कम ..

मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम द्वारा राष्ट्रीय निगमों से लिए गए ऋणों की पूर्ण अदायगी को मंजूरी दी। इसके लिए 55.69 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। इससे प्रतिवर्ष लगभग 2.40 करोड़ रुपये के ब्याज व्यय से मुक्ति मिलेगी और 229.91 करोड़ रुपये की लंबित गारंटी देनदारी समाप्त होगी।

सभी ओरल दवाओं की बिक्री पर भी रोक

दर्द निवारक दवा निमेसुलाइड के उत्पादन पर लगाया बैन.....

नई दिल्ली। कार ने दर्द निवारक दवा निमेसुलाइड के निर्माण पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसके साथ ही, निमेसुलाइड की ऐसी सभी खाने वाली (ओरल) दवाओं की बिक्री और वितरण भी प्रतिबंधित कर दिया गया है, जिनमें 100 मिलीग्राम से अधिक मात्रा होती है। यह प्रतिबंध 1940 के औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम की धारा 26ए के तहत ड्रग्स तकनीकी सलाहकार बोर्ड से परामर्श के बाद लगाया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया है कि 100 मिलीग्राम से अधिक डोज वाली निमेसुलाइड दवाओं के इस्तेमाल से मानव स्वास्थ्य को जोखिम हो सकता है और इनके सुरक्षित विकल्प पहले से मौजूद हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने इसको लेकर 29 दिसंबर 2025 को अधिसूचना जारी की। मंत्रालय ने बताया कि निइमेसुलाइड की 100 मिलीग्राम से ज्यादा मात्रा वाली ओरल दवाएं मानव स्वास्थ्य के लिए जोखिम हो सकती हैं, जबकि इसके सुरक्षित विकल्प बाजार में उपलब्ध हैं। इसी वजह से जनहित में यह कदम उठाया गया है। सरकार ने स्पष्ट कहा कि यह प्रतिबंध औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत लगाया गया है और यह तत्काल प्रभाव से लागू होगा। इसके तहत देश में निमेसुलाइड की तय मात्रा से अधिक वाली ओरल दवाओं का निर्माण, बिक्री और वितरण पूरी तरह बंद रहेगा। इससे पहले मंत्रालय ने औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 में संशोधन का मसौदा भी जारी किया था और इस पर आम लोगों से आपत्तियां और सुझाव मांगे गए थे। तय समय के भीतर मिले सुझावों पर विचार करने के बाद सरकार ने यह अंतिम फैसला लिया। सरकार का कहना है कि यह कदम लोगों की सेहत को सुरक्षित रखने के लिए जरूरी है।

पुणे में फिर एक हुआ 'पवार परिवार चाचा-भतीजे की पार्टी लड़ेगी साथ

मुंबई। महाराष्ट्र में आगामी नगर निगम चुनावों ने सियासी समीकरण पूरी तरह बदल दिए हैं। पार्टी में हुई बड़ी टूट के बाद अब पवार परिवार एक बार फिर एक मंच पर आ गया है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (हृष्टक्क) और उनके चाचा शरद पवार की अगुवाई वाली एनसीपी (शरदचंद्र पवार) ने पुणे में भी एक साथ चुनाव लड़ने का फैसला किया है। इससे पहले पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम चुनावों के लिए भी दोनों दलों के बीच गठबंधन की घोषणा की जा चुकी है।

एसआईआर की मीटिंग में मच गया हंगामा

चुनाव आयुक्त से भिड़ गए अभिषेक बनर्जी...

नई दिल्ली। तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी ने बुधवार को चुनाव आयोग की पूर्ण पीठ से मुलाकात कर पांच प्रश्न उठाए। उनके साथ नौ अन्य सांसद भी थे। तृणमूल के अखिल भारतीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने बैठक से निकलने के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। अभिषेक ने बाहर आकर कहा कि आयोग ने उनके द्वारा पूछे गए पांचों सवालों के सही जवाब नहीं दिए। अभिषेक का सवाल था कि बंगाली में सूक्ष्म पर्यवेक्षकों की नियुक्ति क्यों की गई, जबकि एसआईआर ने वहीं से सबसे कम नामों को बाहर रखा है? आंकड़े देते हुए अभिषेक ने बताया कि तमिलनाडु में संशोधन दर 12.57 प्रतिशत, छत्तीसगढ़ में 8.76 प्रतिशत, गुजरात में 9.95 प्रतिशत और केरल में 6.65 प्रतिशत है।

राम लल्ला प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ

पीएम मोदी बोले-यह हमारी आस्था का दिव्य उत्सव है...

लखनऊ/ एजेंसी

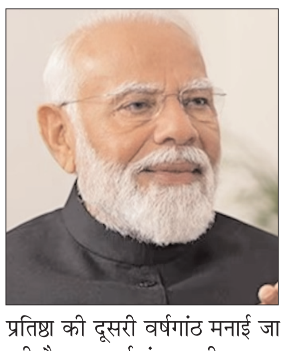

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राम लल्ला प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर सभी नागरिकों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह वर्षगांठ हमारी आस्था और परंपराओं का एक दिव्य उत्सव है। पीएम मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि पिछले महीने फहराया गया धर्म ध्वज पहली बार राम लल्ला की प्रतिमा की स्थापना का साक्षी बन रहा है। एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा कि आज अयोध्या जी की पवित्र भूमि पर राम लल्ला प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ मनाई जा रही है। यह वर्षगांठ हमारी आस्था और परंपराओं का एक दिव्य उत्सव है। इस पवित्र और पावन अवसर पर, देश और विदेश के सभी राम भक्तों की ओर से, भगवान श्री राम के चरणों में करोड़ों प्रणाम और नमन! सभी देशवासियों को मेरी असीम शुभकामनाएं। मोदी ने आगे कहा कि भगवान श्री राम की असीम कृपा और आशीर्वाद से अनगिनत राम भक्तों का पांच शताब्दी पुराना संकल्प पूर्ण हुआ है। आज राम लल्ला एक बार फिर अपने भव्य निवास में विराजमान हैं, और इस वर्ष अयोध्या का धर्म ध्वज बारहवें दिन राम लल्ला की प्रतिष्ठा का साक्षी है। यह मेरा सौभाग्य है कि पिछले महीने मुझे इस ध्वज की पवित्र स्थापना में भाग लेने का शुभ अवसर मिला।

1 जनवरी से बढ़ेंगे पायलटों के भत्ते, नए अलाउंस का भी दिया जाएगा लाभ

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो इस समय उड़ानों में कटौती के दौर से गुजर रही है और हालात को संभालने के लिए अब वह अपने पायलट्स को राहत देने की कोशिश कर रही है। इसी कड़ी में कंपनी ने पायलट्स के भत्तों में बढ़ोतरी और कुछ नए भत्ते शुरू करने का फैसला किया है। ये सभी बदलाव 1 जनवरी से लागू होंगे। इंडिगो ने घरेलू लेओवर, डेडहेड और नाइट अलाउंस जैसी श्रेणियों में मिलने वाले भत्तों के नियमों में संशोधन किया है। इसके साथ ही पहली बार टेल स्वैप अलाउंस भी शुरू किया जा रहा है।

आतंकी कसाब से लिया था लोहा

सदानंद दाते को मिली महाराष्ट्र डीजीपी नियुक्त किया गया.....

मुंबई/ एजेंसी

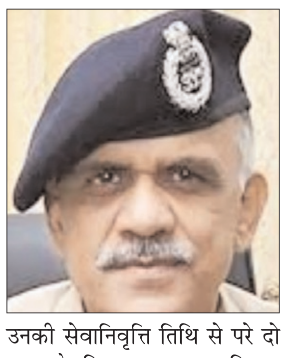

महाराष्ट्र सरकार ने बुधवार को घोषणा की कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के पूर्व महानिदेशक सदानंद दाते को दो साल के कार्यकाल के लिए महाराष्ट्र का पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया गया है। 1990 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी डेट, 3 जनवरी को पद छोड़ने वाली वर्तमान अधिकारी रश्मी शुक्ला का स्थान लेंगे। गृह विभाग द्वारा बुधवार को जारी उनके नियुक्ति पत्र में कहा गया है कि दाते को उनकी सेवानिवृत्ति तिथि से परे दो साल के लिए इस पद पर नियुक्त किया गया है। वे अगले साल दिसंबर में 60 वर्ष के हो जाएंगे। दाते मार्च 2024 तक महाराष्ट्र आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) के प्रमुख थे, जिसके बाद वे भारत की आतंकवाद विरोधी एजेंसी एनआईए का नेतृत्व करने के लिए नई दिल्ली चले गए। राज्य सरकार के अनुरोध पर उन्हें दो सप्ताह पहले महाराष्ट्र वापस बुलाया गया था, क्योंकि सरकार उन्हें राज्य का डीजीपी नियुक्त करना चाहती थी। पिछले सप्ताह, दाते उन तीन आईपीएस अधिकारियों में शामिल थे जिनकी सिफारिश संघ लोक सेवा आयोग ने की थी। अन्य दो अधिकारी संजय वर्मा, डीजी (कानूनी और तकनीकी) और रितेश कुमार, होम गार्ड के कमांडेंट जनरल थे।

शराब घोटाला मामले में

ईडी की बड़ी कार्रवाई.....38 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त....

रायपुर/ संवाददाता

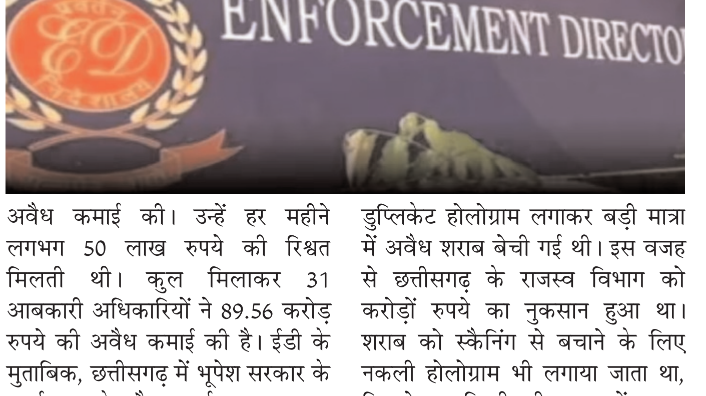

छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। कुल 31 आबकारी अधिकारियों की लगभग 38.21 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति को कुर्क किया गया है। ये संपत्तियां स्थाई रूप से कर्क की गई है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम 2002 के तहत की गई है। इन संपत्तियों की बात करें तो, इनमें तत्कालीन आबकारी आयुक्त आईएएस निरंजन दास भी शामिल हैं। कुल 78 संपत्तियां जब्त की गई हैं। इनमें 21.64 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति शामिल हैं। इनमें कमर्शियल शॉप, लग्जरी बंगले, महंगे फ्लैट और कृषि भूमि शामिल हैं। वहीं 16.56 करोड़ रुपये कीचल संपत्ति भी शामिल हैं। इनमें 197 मदों में फिक्स्ड डिपॉजिट, कई बैंक एकाउंट के रुपये, शेयर, म्यूचुअल फंड और बीमा पॉलिसियां शामिल हैं। ईडी की जांच में पता चला है कि इस घोटाले से राज्य सरकार को करीब 2,800 करोड़ रुपये से ज्यादा की राजस्व की क्षति हुई है। जांच एजेंसी के अनुसार, आबकारी विभाग के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त लोगों ने पूरे सिस्टम को अपने कब्जे में लेकर उगाही को अंजाम दिया। जांच में मालूम चला है कि आबकारी अधिकारियों को अपने-अपने इलाकों में पार्ट-बी शराब बिकवाने के बदले में प्रति मामले में 140 रुपये का कमीशन दिया जाता था। ऐसे में आईएएस ऑफिसर निरंजन दास ने अकेले 18 करोड़ रुपये से ज्यादा की अवैध कमाई की। उन्हें हर महीने लगभग 50 लाख रुपये की रिश्वत मिलती थी। कुल मिलाकर 31 आबकारी अधिकारियों ने 89.56 करोड़ रुपये की अवैध कमाई की है। ईडी के मुताबिक, छत्तीसगढ़ में भूपेश सरकार के कार्यकाल के दौरान वर्ष 2019-2022 तक लाइसेंसी शराब दुकानों में डुप्लिकेट होलोग्राम लगाकर बड़ी मात्रा में अवैध शराब बेची गई थी। इस वजह से छत्तीसगढ़ के राजस्व विभाग को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ था। शराब को स्कैनिंग से बचाने के लिए नकली होलोग्राम भी लगाया जाता था, जिससे वह किसी की पकड़ में न आ सके। घोटाले में संलिप्त लोगों ने इस होलोग्राम को बनाने के लिए उत्तर प्रदेश के नोएडा में होलोग्राफी का काम करने वाली प्रिज्म होलोग्राफी सिक्योरिटी फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को टेंडर दिया था। यह कंपनी होलोग्राम बनाने के लिए पात्र नहीं थी, फिर भी नियमों में संशोधन करके यह टेंडर कंपनी को दे दिया गया था। पूर्व की कांग्रेस सरकार पर आरोप है कि सीएसएमसीएल (शराब की खरीद और बिक्री के लिए राज्य निकाय) से शराब खरीदने के दौरान रिश्वतखोरी हुई। प्रति शराब मामले के आधार पर राज्य में डिस्टिलर्स से रिश्वत ली गई और देशी शराब को ऑफ-द-बुक बेचा गया। ईडी के मुताबिक, डिस्टिलर्स से कार्टेल बनाने और बाजार में एक निश्चित हिस्सेदारी की अनुमति देने के लिए रिश्वत ली गई थी।

शराब घोटाला से मिले रकम को अपने परिजनों के नाम पर किया निवेश

एफआईआर के मुताबिक अनिल टुटेजा, अरुणपति त्रिपाठी और अनवर ढेबर ने शराब घोटाला से मिले रकम को अपने परिवार वालों के नाम पर निवेश किया। टुटेजा ने अपने बेटे यश टुटेजा के नाम पर निवेश किया और त्रिपाठी ने अपनी पत्नी अपनी पत्नी मंजूला त्रिपाठी के नाम पर फर्म बनाया जिसका नाम रतनप्रिया मीडिया प्रइवेट लिमिटेड था। ढेबर ने अपने बेटे और भतीजों के फर्म पर पैसे निवेश किया। ईडी की चांच में पता चला कि टेंडर दिलाने के एवज में कंपनी के मालिक से कमीशन लिया गया था। इस मामले में जब कंपनी के मालिक विधु गुप्ता को ईडी ने अरेस्ट किया तो उसने कांग्रेस सरकार में सीएसएमसीएल में एमडी अरुणपति त्रिपाठी, रायपुर महापौर के बड़े भाई शराब कारोबारी अनवर ढेबर और अनिल टुटेजा का नाम लिया।

संक्षिप्त समाचार

सांसद खेल महोत्सव: पाटन विधानसभा के खिलाड़ियों ने किया श्रेष्ठ प्रदर्शन

दुर्ग। दुर्ग लोकसभा क्षेत्र में आयोजित सांसद खेल महोत्सव 2025 का सफल आयोजन संपन्न हुआ, जिसमें लोकसभा की विभिन्न विधानसभाओं से आए खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महोत्सव के अंतर्गत आयोजित योग विद्या प्रतियोगिता में पाटन विधानसभा के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला।

ऑल ओवर खेल प्रदर्शन में दुर्ग जिले की पाटन विधानसभा के खिलाड़ियों ने 138 अंक अर्जित कर संपूर्ण दुर्ग लोकसभा क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त किया। योग प्रतियोगिता के विभिन्न आयु वर्गों में पाटन विधानसभा के प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट उपलब्धियाँ हासिल कीं।

15 से 30 वर्ष आयु वर्ग में केशव सिंह ने प्रथम एवं भूमिका साहू ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 9 से 15 वर्ष आयु वर्ग में अंतरा साहू द्वितीय स्थान पर रहीं। 30 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में इंदु सोनकर ने तृतीय स्थान तथा 75 वर्ष आयु वर्ग में तुलाराम वर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजय बघेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि खेल एवं योग युवाओं के शारीरिक, मानसिक और नैतिक विकास का सशक्त माध्यम हैं। सांसद खेल महोत्सव जैसे आयोजन ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं।

विशिष्ट अतिथि ललित चंद्राकर ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जिसे अपनाकर स्वस्थ समाज का निर्माण किया जा सकता है।

कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय योग खिलाड़ी धीरेन्द्र वर्मा मुख्य प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित रहे। खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर डॉ दिनेश चन्द्रवंशी (जिला आयुष अधिकारी) गोस्वामी जयंत विष्णु भारती (छत्तीसगढ़ योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन),डॉ अनिता साहू,अनूप बंसल (सह राज्य प्रभारी, भारत स्वाभिमान) भारत लाल ताम्रकार, संतोष यादव,लाला राम वर्मा, खिलेश्वर वर्मा,एवं मर्रा सरपंच मुकेश देवांगन सहित अन्य पदाधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त की।

21 साल बाद होगा पाटन में वार्षिक मड़ाई मेला, एक से बढ़कर एक झूला लगने लगा, नगर पंचायत अध्यक्ष निक्की भाले और अन्य जनप्रतिनिधियों ने किया निरीक्षण

पाटन। नगर पंचायत पाटन में लगभग 21 साल बाद वार्षिक मंडई मिलन समारोह का आयोजन आगामी 6 जनवरी को किया जा रहा है। इसकी तैयारी व्यापक रूप में आज देखने को मिली। रेस्ट हाउस के पीछे विशाल मैदान पर बड़े-बड़े एक से बढ़कर एक आधुनिक झूला जैसे ड्रेगन, ब्रेक डांस, जलपरी, डोरा डोरा सहित अन्य झूले लग रहे हैं वहीं अन्य व्यापारियों के लिए जगह की उपलब्धता करने आसपास के भी साफ-सफाई की जा रही है। इसके अलावा पार्किंग व्यवस्था भी किया जा रहा है। बता दे कि पिछले कुछ सालों से नगर पंचायत पाटन में वार्षिक मड़ाई मेला का कार्यक्रम नहीं हुआ है इसे फिर से अब अध्यक्ष नगर पंचायत पाटन योगेश निक्की भाले ने पहल करते हुए मड़ई मेला का आयोजन कर रहे है। मंगलवार को अध्यक्ष योगेश निक्की भाले एवं उपाध्यक्ष निशा सोनी पार्षद केवल देवांगन और अन्य पार्षदों ने अधिकारियों, नगर पंचायत के कर्मचारियों के साथ मेला मेला स्थल का निरीक्षण भी किया।। यहां पर झूला लगा रहे हैं कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार के लापरवाही न बरते । पार्किंग व्यवस्था के लिए भी मैदान को समतल किया जा रहा है। रात्रि कालीन कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के लोक कला मंच चिन्हारी लोक मया का मंचन किया जाएगा। दोपहर में भी कार्यक्रम आयोजित है। सामरोह में मुख्य अतिथि के रूप में केबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव, भाजपा के जिला मंत्री जितेंद्र वर्मा सहित अन्य मौजूद रहेंगे।

आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ डॉ. संपत अग्रवाल ने दी वर्ष 2025 को विदाई, पुरी और लिंगराज मंदिर में टेका मत्था

विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने महाप्रभु से ,छत्तीसगढ़ की खुशहाली और सुख-समृद्धि की कामना

भुवनेश्वर/बसना (समय दर्शन)। साल 2025 के अंतिम दिन, जब पूरी दुनिया नए वर्ष के स्वागत की तैयारी में जुटी है, बसना विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ वर्ष का समापन किया। विधायक डॉ. अग्रवाल ने अपने परिवार के साथ ओडिशा के प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों की यात्रा की और भगवान का आशीर्वाद प्राप्त कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने साथ ही नए वर्ष की मंगल कामना की।

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने अपनी आध्यात्मिक यात्रा की शुरुआत पुरी से की। उन्होंने पुरी के प्रवेश द्वार पर स्थित प्रसिद्ध श्री बाटमंगला माता मंदिर में सपरिवार मत्था टेका। विधायक ने माता को चुनरी ओढ़ाकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि मान्यता के अनुसार, महाप्रभु की यात्रा माँ बाटमंगला के दर्शन के बिना अधूरी है, माँ का आशीर्वाद हमें सदैव सेवा के मार्ग पर चलने की शक्ति देता है।

इसके पश्चात, उन्होंने जगन्नाथ धाम में महाप्रभु जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के दर्शन किए। मंदिर परिसर में समय व्यतीत करते हुए उन्होंने वहां की आध्यात्मिक शांति का अनुभव किया और छत्तीसगढ़ की जनता के कल्याण हेतु प्रार्थना की।

पुरी के बाद विधायक डॉ. अग्रवाल भुवनेश्वर पहुंचे, जहां उन्होंने ऐतिहासिक श्री लिंगराज मंदिर में भगवान शिव के स्वरूप का दर्शन किया। उन्होंने महादेव का जलाभिषेक कर सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की कामना की।

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने कहा कि वर्ष का अंतिम दिन आत्म-चिंतन और आभार व्यक्त करने का होता है। आज मैंने महाप्रभु और बाबा लिंगराज के चरणों में नमन कर अपने बसना विधानसभा क्षेत्र और पूरे छत्तीसगढ़ की खुशहाली की प्रार्थना की है। ईश्वर हमें इतनी शक्ति दें कि हम आने वाले नए वर्ष में और अधिक ऊर्जा व समर्पण के साथ जन-जन की सेवा कर सकें। विधायक ने आगे कहा कि नया साल नई उम्मीदों का प्रतीक है। वे 'अंत्योदय' के संकल्प के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने समस्त प्रदेशवासियों को नव वर्ष की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए आपसी भाईचारे और सद्भाव का संदेश दिया है।

जिला स्तरीय पेंशनधारी कल्याण संघ प्रतिनिधि मंडल ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

महासमुंद(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ पेंशनधारी कल्याण संघ एवं मध्य प्रदेशङ्कछत्तीसगढ़ संयुक्त राज्य पेंशनर्स फेडरेशन के संयुक्त आव्हान पर जिला महासमुंद में पेंशनरों की विभिन्न लंबित मांगों को लेकर मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन के नाम 14 सूत्रीय ज्ञापन कलेक्टर महासमुंद विनय कुमार लंगेह (आई.ए.एस.) को सौंपा गया।

यह ज्ञापन जिला अध्यक्ष डॉ. अशोक गिरी गोस्वामी के नेतृत्व में सौंपा गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पेंशनर उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से टेकराम सेन जिला संयोजक, कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन महासमुंद, भोजराज पटेल अध्यक्ष, सरायपाली, शिव साहू प्रांतीय उपाध्यक्ष, बी.आर. ध्रुव कार्यालय प्रभारी, बी.आर. देवांगन सचिव, मनराखन ध्रुव कोषाध्यक्ष सहित सनमान सिंह दीवान, गजानंद चंद्राकर, भाव सिंह नेताम, बंसीलाल चंद्राकर, धनसाय माझी, सनद यादव, नेहरू लाल नायक, चंद्र बदन मिश्रा, बोधन साहू, संतु साहू एवं अनेक पेंशनर साथी उपस्थित थे।

यह ज्ञापन मध्यप्रदेशङ्कछत्तीसगढ़ संयुक्त राज्य पेंशनर्स फेडरेशन के संयुक्त आंदोलन के अंतर्गत दिया गया है। उल्लेखनीय है कि फेडरेशन की 10 सितंबर 2025 को जबलपुर मुख्यालय में संपन्न बैठक में लिए गए निर्णय के अनुरूप यह संयुक्त मांगपत्र राज्य शासन को सौंपा गया।

प्रमुख मांगों में विधानसभा चुनाव पूर्व मोदी की गारंटी के अंतर्गत किए गए वादों के अनुसार केंद्र शासन की तिथि से महंगाई राहत डीआर का भुगतान, धारा 49(6) की गलत व्याख्या समाप्त कर समय पर डीआर प्रदान करना, 70 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर पेंशन में 20 प्रतिशत वृद्धि, पेंशनरों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा, तीर्थ यात्रा योजना में पेंशनरों को शामिल करना, वरिष्ठ नागरिक आयोग का गठन, पंजीकृत पेंशनर संघों को मान्यता, पेंशनर कल्याण मंडल का गठन, रेल यात्रा में वरिष्ठ नागरिकों को पुनः छूट, आयकर में विशेष छूट, पेंशनर की मृत्यु पर आश्रित परिवार को ?50,000 की अनुग्रह राशि, पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) पुनः लागू करना तथा माननीय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के निर्णय के अनुसार छठवें एवं सातवें वेतनमान के एरियर्स का भुगतान शामिल है।

पेंशनरों ने राज्य शासन से सभी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की है। उक्त प्रेस विज्ञप्ति बी. ध्रुव, कार्यालय सचिव द्वारा जारी की गई।

हिन्दू हिन्दू भाई भाई के उद्घोष के साथ बल्दीडीह में भव्य हिन्दू सम्मेलन संपन्न

सनातन एकता का संदेश, मेमरा मंडल के बल्दीडीह में ऐतिहासिक हिन्दू सम्मेलन आयोजित

सांकरा (समय दर्शन)। महासमुंद जिलांतर्गत विकासखण्ड पिथौरा के मेमरा मंडल अंतर्गत ग्राम बल्दीडीह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेतृत्व में हिन्दूङ्कहिन्दू भाईङ्कभाई के संदेश के साथ भव्य हिन्दू सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया।

सम्मेलन में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, मातृशक्ति एवं समाज के विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हुए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कृष्ण कुमार शर्मा, अध्यक्षता श्रीमती गंगा देवी ठाकुर (कौड़िया राज रानी साहिबा एवं पूर्व जनपद अध्यक्ष) ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सुश्री जयंती नायक तथा मुख्य वक्ता नंदकुमार साहू उपस्थित रहे। आयोजन की संयोजिका श्रीमती गायत्री बरिहा रहीं। संघ क्षेत्र से खंड कार्यवाहक प्रेमसागर साहू (खंड पिथौरा) एवं पंचराम गहिर की गरिमामयी उपस्थिति रही। वहीं दुर्गा वाहिनी की बहनों खिरोदनी धुव, पदमिनी धुव (खंड संयोजिका), पूर्णिमा भोई, प्रतिमा भोई एवं प्रियंका डडसेना ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

स्वागत समिति में उजागर भोई, कपिलास साहू, श्रीमती गायत्री बरिहा, घासीराम यादव एवं श्रीमती रेवती कैवर्त शामिल रहे। समाज क्षेत्र से अनेक गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, पंचगण, महिला समूह एवं गुलाबी टीम बल्दीडीह का उल्लेखनीय योगदान रहा। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय बालक-बालिकाओं द्वारा भक्तिमय गीतों ने सबका मन मोह लिया । समापन अवसर पर मंच संचालक कमलेश डडसेना ने आयोजन में सहयोग देने वाले सभी हिन्दू भाई-बहनों एवं समाजजनों का आभार व्यक्त किया। जय श्री राम के उद्घोष के साथ सम्मेलन को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

धान खरीदी केंद्रों में जाम की स्थिति से समिति प्रभारियों की बढ़ी समस्या

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुन्द जिले में धान खरीदी को लेकर सहकारी समितियों के प्रभारियों को अब धान का सही समय में उठाव नहीं होने से पड़ प्रभारी परेशानी मे है।

धान का उठाव नहीं होने से समिति प्रभारियों की समस्या बढ़ गई है। राज्य के 2739 खरीदी केंद्रों में लगभग 16 सौ खरीदी केंद्रों में बंफर लिमिट से अधिक धान रखा हुआ है। जहां धान खरीदी केंद्रों में जाम की स्थिति बन गई है।

उठाव नहीं होने से अनेक सोसायटी में जाम की स्थिति- धान का उठाव नहीं होने के कारण खरीदी केंद्रों में धान रखने की समस्या हो रही है, जिससे किसानों के साथ बड़ प्रभारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं स्थिति को देखते हुए भी मार्कफेड और खाद्य विभाग के अधिकारी सुस्ती बरत रहे हैं।

सुस्त मिलर्स और ट्रांसपोर्टर्स के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है- समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए 2739 खरीदी केंद्र बनाए गए हैं। इस वर्ष धान बेचने के लिए 27 लाख 43 हजार से अधिक किसानों ने पंजीयन कराया है। जबकि 15 नवंबर से धान खरीदी की जा चुकी है। अब तक 40 दिनों में 11.51 लाख किसानों से 60 लाख 87 हजार 547 मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीदी की जा चुकी है। वहीं उठाव के लिए 15 लाख मीट्रिक टन का डीओ और टीओ जारी किया गया, जिसमें मिलर्स और ट्रांपोर्टर्स द्वारा 11 लाख मीट्रिक टन धान का उठाव किया गया है। शेष धान उपार्जन केंद्रों में पड़ा हुआ है।

धान का उठाव नहीं होने से समिति प्रभारियों की समस्या बढ़ गई है। लगभग आधे से अधिक खरीदी केंद्रों में बंफर लिमिट से अधिक धान रखा हुआ है, जो सूखने लगा है।

विभागीय अधिकारियों की मानें तो इस वर्ष जिलों में मिलरों का कस्टम मिलिंग के लिए अनुबंध किया गया है, जिनके द्वारा 10 लाख 82 हजार मीट्रिक टन धान का उठाव कर लिया गया है।

बंफर लिमिट से अधिक धान जमा होने के कारण किसानों की परेशानी बढ़ रही है। कई खरीदी केंद्रों में धान रखने की जगह न होने के कारण खरीदी बंद होने के आसार हैं।

इनमें कवर्धा के 108 में से 80 खरीदी केंद्रों में बफर लिमिट से अधिक धान रखा है।महासमुंद के 182 खरीदी केंद्रों में से 130 में बंफर लिमिट से अधिक धान रखा हुआ है।

महासमुन्द के बागबाहरा,पिथौरा सहित बसना ,सरायपाली, भंवरपुर,पिरदा क्षेत्र के प्रायः कुछ सोसायटी को छोड़ कर सभी सोसायटी में जाम की स्थिति बनी हुई हैं।

आने वाले दिनों में उठाव में तेजी नहीं आई तो धान खरीदी पर असर पड़ेगा।

समितियों को सूखत का डर सता रहा है- 15 नवंबर से शुरू हुई धान खरीदी के बाद लगातार किसानों को टोकन जारी किए जा रहे हैं। किसान अपना धान लेकर खरीदी केंद्रों में पहुंच रहे हैं। अब प्रतिदिन सोसायटी में हजारों टन धान की आवक हो रही है। आवक के आधार पर समितियों द्वारा खरीदी की जा रही है। समितियों में धान जमा होने के साथ डीएमओ को उपार्जन केंद्रों में जमा धान की रिपोर्ट दे रहे हैं।

परिवहन के लिए डीओ नहीं काटने से हो रही परेशानी- दोपहर में धूप तेज होने के कारण धान की नमी में कमी देखने में आ रही है। समय पर उठाव नहीं होने के कारण समितियों को अब सूखत से नुकसान होने का खतरा बढ़ने लगा है।

खरीदी केंद्रों में बंफर लिमिट का नजारा- धान खरीदी की नीति में पहले खरीदी केंद्रों की लिमिट कम थी, इसे इस साल बढ़ा दिया गया। बंफर लिमिट बढ़ाने के बाद भी अब मार्कफेड धान का उठाव नहीं कर पा रहा है।

बंफर लिमिट बढ़ाने का फायदा समितियों को न मिलकर उल्टा नुकसान देखा जा रहा है। मिलरों द्वारा परिवहन न करने के पीछे कारण यह बताया जा रहा है कि उनके पास उठाव की लिमिट तय है। कुछ मिलरों ने यह लिमिट पिछले साल के धान की मिलिंग पूरी न करने के कारण क्रॉस कर ली है। वहीं संग्रहण केंद्रों में मार्कफेड की तैयारी नहीं होने से परिवहन नहीं के बराबर है।

छत्तीसगढ़ हर्बल ब्रांड' के नाम से बाजार में उपलब्ध

केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई जामगांव एम : ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार को नया बल

रायपुर। केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई (ष्टक्क) ग्रामीण रोजगार में वनोपज और औषधीय पौधों के संग्रह, प्रसंस्करण और मूल्य-वर्धन (1ड्डद्यह्वद्ग ड्डस्रस्रद्बह्लद्बशठ्ठ) के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था और ग्रामीणों, खासकर महिलाओं, के लिए आय और रोजगार के नए अवसर पैदा करती है। दुर्ग जिला के पाटन विकासखंड के जामगांव एम में स्थापित केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई ग्रामीण रोजगार, वनोपज प्रसंस्करण और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

यह इकाई लगभग 111 एकड़ क्षेत्र में विकसित की गई है, जहां छत्तीसगढ़ शासन और राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित के माध्यम से वन क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों से वनोपज और औषधीय पौधों का क्रय, संग्रहण और प्रसंस्करण किया जा रहा है। यहां तैयार किए जा रहे हर्बल उत्पाद 'छत्तीसगढ़ हर्बल ब्रांड' के नाम से बाजार में उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग स्वास्थ्य लाभ के लिए किया जाता है।

प्रसंस्करण इकाई से मिल रहा स्थानीय लोगों को रोजगार

प्रसंस्करण इकाई क्रमांक- 01 में स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित किए गए हैं। यहां आंवला, बेल और जामुन से जूस, कैंडी, लच्छा, मुरब्बा, शरबत, पल्प और आरटीएस पेय जैसे शुद्ध हर्बल उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। इन उत्पादों का विक्रय एनडब्ल्यूएफ्पी मार्ट और संजीवनी स्टोर के माध्यम से किया जाता है। इस इकाई ने मात्र एक वर्ष में लगभग 44 लाख रुपये मूल्य के उत्पादों का निर्माण और विक्रय कर स्थानीय लोगों की आय बढ़ाने में अहम योगदान दिया है।

20 हजार मीट्रिक टन क्षमता का केंद्रीय वेयरहाउस

इकाई क्रमांक- 02 में चार बड़े गोदाम बनाए गए हैं, जिनकी कुल भंडारण क्षमता 20,000 मीट्रिक टन है। यहां राज्य के विभिन्न जिलों से प्राप्त वनोपज का सुरक्षित भंडारण किया जाता है। वर्तमान में कोदो, कुटकी, रागी, हर्रा कचरिया, चिरायता, कालमेघ, पलास फूल और साल बीज सहित विभिन्न वनोपज का संग्रह किया गया है। इन उत्पादों का विक्रय संघ मुख्यालय रायपुर द्वारा निविदा प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है। इन दोनों इकाइयों के संचालन से अब तक 5,200 से अधिक मानव दिवस का रोजगार सृजित हो चुका है।

पीपीपी मॉडल पर हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट यूनिट की स्थापना

जामगांव एम में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट की स्थापना की गई है। यह यूनिट छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ और स्फेयर बायोटेक कंपनी के संयुक्त प्रयास से बनी है, जिसका लोकार्पण वर्ष 2025 में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और वन मंत्री श्री केदार कश्यप द्वारा किया गया था। लगभग 6 एकड़ क्षेत्र में बनी इस यूनिट में गिलोय, कालमेघ, बहेड़ा, सफेद मुसली, जंगली हल्दी, गुड़मार, अश्वगंधा और शतावरी जैसे औषधीय पौधों से अर्क निकाला जा रहा है। इन अर्कों का उपयोग आयुर्वेदिक दवाओं और वेलनेस उत्पादों के निर्माण में किया जाता है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय, महानदी भवन में कैबिनेट की बैठक

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए - 1. मंत्रिपरिषद की बैठक में तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों से 5500 रुपये प्रति मानक बोरा की दर से तेंदूपत्ता खरीदने के लिए वर्ष 2026 हेतु ऋण लेने के लिए राज्य शासन की गारंटी देने की अनुमति दी गई। 2. मंत्रिपरिषद ने कोदो, कुटकी और रागी की खरीद, प्रसंस्करण और बिक्री के लिए छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ को कार्यशील पूंजी प्रदाय किये जाने की अनुमति दी गई। 3. मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ को अराष्ट्रीयकृत लघु वनोपज के क्रय, भंडारण, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन के लिए एक बार के लिए 30 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त ऋण देने का निर्णय लिया है। 4. मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम द्वारा राज्य शासन की प्रत्याभूति (गारंटी) पर लिए गए ऋणों के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिया। इसके अंतर्गत राज्य शासन द्वारा 55.69 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान कर पांच राष्ट्रीय निगमों से लिए गए ऋणों की पूर्ण राशि वापस करने का अनुमोदन किया गया। ये राष्ट्रीय निगम हैं- राष्ट्रीय अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम, पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम, अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम और दिव्यांग वित्त एवं विकास निगम। वर्तमान में इन ऋणों पर राज्य शासन द्वारा प्रतिवर्ष लगभग 2.40 करोड़ रुपये ब्याज का भुगतान किया जा रहा है। ऋण की पूरी अदायगी होने पर यह ब्याज व्यय पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। साथ ही राष्ट्रीय निगमों से एनओसी (अदेय प्रमाण पत्र) प्राप्त होने पर शासन की ओर से दी गई 229.91 करोड़ रुपये की लंबित गारंटी देनदारी भी समाप्त हो जाएगी। इस निर्णय से राज्य शासन पर वित्तीय बोझ कम होगा और भविष्य में होने वाले अनावश्यक व्यय से बचत सुनिश्चित होगी। 5. मंत्रिपरिषद ने निर्णय लिया है कि - उसना मिलिंग पर प्रोत्साहन राशि 20 रू. प्रति क्विंटल से बढ़ाकर की गई 40 रू. प्रति क्विंटल सभी मिलरों के लिए प्रोत्साहन राशि की पात्रता हेतु अब न्यूनतम 03 माह की जगह न्यूनतम 02 माह की मिलिंग करनी होगी 6. मंत्रिपरिषद ने औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में संशोधन का निर्णय लिया। इससे नीति के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रचार-प्रसार, विशेषज्ञों की नियुक्ति और सेवा गतिविधि प्रमाणपत्र जारी करने के संबंध में विसंगतियां दूर होंगी।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने 02 स्क्वायर बेलर मशीनों का किया लोकार्पण

रायपुर। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने कबीरधाम प्रवास के दौरान पंचमुखी बूढ़ा महादेव मंदिर परिसर से आधुनिक तकनीक से युक्त 02 स्क्वायर बेलर मशीनों का विधिवत पूजा-अर्चना कर लोकार्पण किया।

इस अवसर पर उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों से मशीनों की कार्यप्रणाली, उपयोगिता एवं उद्देश्य के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने बताया कि स्क्वायर बेलर मशीन अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित है, जो एक घंटे में लगभग डेढ़ एकड़ क्षेत्र में हार्वेस्टर से कटे हुए पैरा को चौकोर बंडल (बेल) के रूप में तैयार करती है। इन बंडलों का उपयोग आगे चलकर गौ-वंश के लिए चारे के रूप में किया जाएगा, जिससे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

यह भी जानकारी दी गई कि स्क्वायर बेलर मशीनों के उपयोग से खेतों में पैरा जलाने की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा। इससे न केवल किसानों को अवशेष प्रबंधन में सुविधा मिलेगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, वायु प्रदूषण में कमी और गौ संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, चारे के सुव्यवस्थित संग्रहण और परिवहन की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित हो सकेगी।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार किसान हित, गौ संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है। स्क्वायर बेलर मशीन जैसी पहल से कृषि अवशेषों का सार्थक उपयोग होगा और किसानों को आर्थिक एवं पर्यावरणीय दोनों स्तरों पर लाभ मिलेगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मशीनों के नियमित, समुचित और प्रभावी उपयोग के निर्देश भी दिए।

इस अवसर पर सांसद श्री संतोष पाण्डेय, पूर्व संसदीय सचिव डॉ. सियाराम साहू, पूर्व विधायक श्री योगेश्वर राज सिंह, श्री अशोक साहू, जिला पंचायत सभापति डॉ. बीरेन्द्र साहू, नगर पालिका अध्यक्ष श्री चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष श्री पवन जायसवाल, जनपद उपाध्यक्ष श्री गणेश तिवारी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री विदेशी राम धुर्वे, श्रीमती विजयलक्ष्मी तिवारी, श्रीमती सतविंदर पाहुजा, समस्त पार्षद, जनप्रतिनिधि तथा पंचमुखी बूढ़ा महादेव सेवा समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

पशु रेस्क्यु वाहन से दुर्घटनाग्रस्त पशुओं को मिलेगी त्वरित चिकित्सा सुविधा - उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

रायपुर। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने पशु संरक्षण और संवेदनशील सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए पशु रेस्क्यु वाहन का विधिवत पूजा-अर्चना के साथ लोकार्पण किया। 13 लाख 60 हजार रूपए की लागत के इस वाहन को श्री विजय शर्मा द्वारा विधायक मद से प्रदान किया गया है। लोकार्पण के अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों से वाहन की तकनीकी विशेषताओं, उपयोगिता और संचालन प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने मौके पर ही वाहन का परीक्षण कराते हुए घायल पशुओं को सुरक्षित रूप से वाहन में लाने एवं ले जाने की पूरी प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस आधुनिक पशु रेस्क्यु वाहन के माध्यम से सड़क दुर्घटना अथवा अन्य कारणों से घायल पशुओं को त्वरित रूप से घटनास्थल से पशु चिकित्सालय तक पहुंचाया जा सकेगा। उपचार के उपरांत पशुओं को सुरक्षित रूप से गौशाला अथवा पशु शेल्टर तक ले जाने की भी समुचित व्यवस्था वाहन में उपलब्ध है। इससे घायल एवं असहाय पशुओं को समय पर उपचार मिल सकेगा और उनकी जान बचाने में प्रभावी सहायता मिलेगी। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार गौ संरक्षण और पशु कल्याण के प्रति पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। पशु रेस्क्यु वाहन जैसी सुविधाएं न केवल पशुओं के जीवन की रक्षा करेंगी, बल्कि आम नागरिकों और पशुपालकों के लिए भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वाहन का नियमित, समुचित और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए तथा इसकी सतत निगरानी और रख-रखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए। इस अवसर पर सांसद श्री संतोष पाण्डेय, पूर्व संसदीय सचिव डॉ. सियाराम साहू, पूर्व विधायक श्री योगेश्वर राज सिंह, श्री अशोक साहू, जिला पंचायत सभापति डॉ. बीरेन्द्र साहू, नगर पालिका अध्यक्ष श्री चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष श्री पवन जायसवाल, जनपद उपाध्यक्ष श्री गणेश तिवारी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री विदेशी राम धुर्वे, श्रीमती विजयलक्ष्मी तिवारी, श्रीमती सतविंदर पाहुजा, समस्त पार्षद, जनप्रतिनिधि तथा पंचमुखी बूढ़ा महादेव सेवा समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

प्रदेश के 18 जिलों के 2100 से अधिक गाँवों और बसाहटों तक पहुँचाई जाएंगी नियमित स्वास्थ्य सेवाएँ

दूरस्थ आदिवासी अंचलों को स्वास्थ्य की नई राह — मुख्यमंत्री साय ने 57 मोबाइल मेडिकल यूनिट वाहनों को दिखाई हरी झंडी

रायपुर । दूरस्थ और घने वनांचल वाले आदिवासी क्षेत्रों में अब स्वास्थ्य सेवाएँ लोगों के दरवाज़े तक पहुँचेंगी। प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान पीएम जनमन के तहत बुधवार को नवा रायपुर में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने 57 मोबाइल मेडिकल यूनिट वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल सहित मंत्रिमंडल के सदस्य, जनप्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

मोबाइल मेडिकल यूनिटों के संचालन से विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) तक नियमित स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। सरकार का मानना है कि दुर्गम अंचलों में रहने वाले समुदायों को अस्पताल तक पहुँचने में आने वाली कठिनाइयों को देखते हुए यह व्यवस्था स्वास्थ्य सुविधाओं को सीधे उनके गाँवों व बसाहटों तक पहुँचाएगी।

मोबाइल मेडिकल यूनिटों की तैनाती से प्रदेश के 18 जिलों के 2100 से अधिक गाँवों और बसाहटों तक नियमित स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाई जाएँगी। इससे दो लाख से अधिक विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (PVTG) आबादी को प्रत्यक्ष लाभ मिल सकेगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि पहाड़ी और दुर्गम इलाकों में रहने वाले परिवारों के लिए अब इलाज और जाँच की सुविधा गाँव में ही उपलब्ध होगी। उन्होंने इस पहल को आदिवासी समुदायों की सर्वांगीण भागीदारी और स्वास्थ्य सुरक्षा का ठोस आधार बताया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए यह गौरव का दिन है। समाज में आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक प्रत्येक दृष्टिकोण से पिछड़े लोग विशेष पिछड़ी जनजाति के लोग हैं। छत्तीसगढ़ में निवासरत 3 करोड़ की आबादी में विशेष पिछड़ी जनजाति के 2 लाख 30 हजार लोग 18 जिलों के 21 सौ बसाहटों में निवासरत हैं। यह मोबाइल मेडिकल यूनिट उनके लिए वरदान साबित होगा। इन सर्वसुविधा-संपन्न 57 मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से यह कार्य आसान होगा। इस यूनिट में डॉक्टर, नर्स, लैब टेक्निशियन और स्थानीय वालंटियर उपस्थित होंगे। इस यूनिट में 25 तरह की जाँच सुविधाएँ तथा 106 तरह की दवाइयाँ निःशुल्क उपलब्ध होंगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस नवीन योजना के लिए स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, सीजीएमएससी के अध्यक्ष श्री दीपक म्हस्के सहित सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि विशेष पिछड़ी जाति के उत्थान के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय प्रयासरत हैं। यह मोबाइल मेडिकल यूनिट ऐसे सुदूर वनांचलों के लिए हैं जहाँ स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुँच कम है। आज 57 मोबाइल मेडिकल यूनिट पूरे प्रदेश के लिए समर्पित कर रहे हैं, जो प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सपने को पूर्ण करेगा। मंत्री श्री जायसवाल ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने इस पुनीत कार्य में छत्तीसगढ़ को सहभागी बनकर योगदान देने का अवसर प्रदान किया। स्वास्थ्य सचिव श्री अमित कटारिया ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 15 नवंबर 2023 को विशेष पिछड़ी जनजातियों के सामाजिक, आर्थिक उत्थान के लिए पीएम जनमन योजना की शुरुआत की। इसका उद्देश्य बुनियादी सुविधाओं को सीधे बसाहटों तक पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि आपातकालीन स्थिति में मरीज को इन यूनिट के माध्यम से निकट स्वास्थ्य केंद्रों में पहुँचाना आसान होगा।

संक्षिप्त समाचार

एक चैन माउंटेन व दो ट्रैक्टर जब्त : रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के मामले में कार्रवाई

रायपुर। जांजगीर-चांपा जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण हेतु गठित खनिज टास्क फोर्स द्वारा आज औचक निरीक्षण के दौरान 01 चैन माउंटेन एवं 02 ट्रैक्टर जब्त किया गया। यह कार्रवाई रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के मामले में की गई है। तहसील बम्हनीडीह अंतर्गत ग्राम बिर्रा में रेत का अवैध परिवहन करते 02 ट्रैक्टर को जब्त कर थाने के सुपुर्द किया गया। वहीं तहसील जांजगीर के केवा-नवापारा क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन कर रहे 01 चैन माउंटेन को जब्त किया गया। इस मामले में संलिप्त व्यक्तियों एवं वाहनों के विरुद्ध खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 से 23 (ख) के अंतर्गत कार्रवाई की गई है। जिला प्रशासन का कहना है कि खनिजों के अवैध खनन एवं परिवहन के मामले में कार्रवाई का यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

पूवर्ती के ग्रामीणों की आजीविका को मिली नई उड़ान : नियद नेल्लानार योजना से बदली तस्वीर

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप सुकमा जिला प्रशासन द्वारा सुदूर एवं संवेदनशील क्षेत्रों में ग्रामीणों को आजीविकास से जोड़ने गांवों के समग्र विकास के लिए तेजी से काम किया जा रहा है। कोंटा विकासखंड अंतर्गत नियद नेल्लानार योजना के तहत ग्राम पूवर्ती में ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु एक महत्वपूर्ण पहल की गई। पशुधन विकास विभाग द्वारा पूवर्ती के ग्रामीण परिवारों को आजीविका संवर्धन के उद्देश्य से 50 यूनिट उन्नत नस्ल के मुर्गी चूजों का निःशुल्क वितरण किया गया। यह पहल ग्रामीण परिवारों को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने तथा उनकी आय के स्थायी स्रोत विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। गौरतलब है कि मुर्गी पालन कम लागत में अधिक लाभ देने वाला व्यवसाय है, जिससे ग्रामीण परिवार अल्प समय में नियमित आय अर्जित कर सकते हैं। पशुपालन आधारित आजीविका को प्रोत्साहन देकर ग्रामीणों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। पूवर्ती के ग्रामीणों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाली शुरुआत बताया। कुकुट पालन के लिए ग्रामीणों को प्रशासन की ओर से दिए जा रहे प्रोत्साहन से गांवों में सकारात्मक माहौल बना है। जिला प्रशासन सुकमा का कहना है कि ग्रामीणों को रोजगार व्यवसाय से जोड़ने के लिए शासन की अन्य हितग्राही मूलक योजनाओं से उन्हें लाभान्वित किए जाने का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

बिहान योजना से बदली सिवनी की रूखमणी पाण्डेय की जिंदगी, बनीं 'लखपति दीदी' और महिला आत्मनिर्भरता की प्रेरक मिसाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' अंतर्गत लखपति दीदी पहल ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में उल्लेखनीय परिणाम दे रही है। इसी क्रम में जांजगीर-चांपा जिले के विकासखंड बलौदा अंतर्गत ग्राम सिवनी निवासी श्रीमती रूखमणी पाण्डेय ने आत्मनिर्भरता की एक प्रेरक मिसाल प्रस्तुत की है। कभी पूर्णतः घरेलू जिम्मेदारियों तक सीमित रहने वाली रूखमणी पाण्डेय आज प्रतिमाह 15 से 20 हजार रुपये की नियमित आय अर्जित कर 'लखपति दीदी' के रूप में पहचान बना चुकी हैं। कोरोना काल एवं लॉकडाउन के दौरान पशुपालन व्यवसाय में हुए आर्थिक नुकसान के बाद परिवार की आय का प्रमुख स्रोत प्रभावित हुआ, जिससे आर्थिक चुनौतियां बढ़ीं।

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR
e-Procurement Tender Notice Main Portal:
http://eproc.cgstate.gov.in
(3rdCall)

NIT NO:-50/RMC/ZONE 08/2025 RAIPUR DATED-30/12/2025

Online bids are invited for the following works up to 13/01/2025 at 17:30 hours.

Sr. No.	System Tender No.	Name of work/Description of work	Probable amount of contract (In Lacs)
1	182628	शहीद भगत सिंह वार्ड क्रं.-21 अंतर्गत टाटीबंध भाटापारा में आंगनवाड़ी केन्द्र निर्माण। (जिला खनिज संस्थान न्यास निधि)	11.69

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarhe-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.infrom 30/12/2025 17.30 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portalNIT Details and other documents.

NOTE: -

1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. Help Desk at Toll Free No. 18004199140or through Email helpdesk.eproc@cgswan.gov.in

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

ZONE COMMISSONER
ZONE 08
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

संपादकीय

राम भरोसे जीने विवश हो जाएंगे

मनरेगा के जी राम जी में बदलने से निवेशकों और धनी इलाकों के किसानों को सस्ती दर पर मजदूर मिल सकेंगे। मनरेगा से इसमें बाधा आई थी और यह इन तबकों की इस कानून से आरंभ से ही एक बड़ी शिकायत थी। मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम) को वीबी- जी राम जी (विकसित भारत- गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन- ग्रामीण) में बदलने के नरेंद्र मोदी सरकार के इरादे में नागरिकों के प्रति उसके नजरिये की झलक देखी जा सकती है। मनरेगा उस दौर में बना, जब तत्कालीन यूपीए-1 सरकार ने विकास की अधिकार आधारित अवधारणा को अपनाया था। समझ यह थी कि गरिमामय जिंदगी की न्यूनतम शर्तों को वैधानिक अधिकार के रूप में मान्यता दी जाए और उन स्थितियों को हासिल करने की योजनाएं लागू की जाएं। इस रूप में उस दौर में बने कई कानून सामान्य कल्याण योजनाओं से अलग थे।

इसीलिए मनरेगा को मांग केंद्रित बनाया गया- यानी प्रावधान किया गया कि ग्रामीण इलाकों में अकुशलकर्मी जब कभी मांग करेंगे, कम-से-कम 100 दिन उन्हें काम मुहैया करना सरकार के लिए अनिवार्य होगा। इस काम में पारिश्रमिक भुगतान का पूरा खर्च केंद्र उठाएगा, जबकि सामग्रियां आदि जुटाने का खर्च राज्य सरकार के खजाने से आएगा। अब ये सारे प्रावधान अब बदल जाएंगे। अब कुछ छोटे राज्यों को छोड़ कर बाकी हर राज्य की सरकार को पारिश्रमिक का 40 फीसदी हिस्सा भी अपने कोष से देना होगा। इसके अलावा योजना मांग केंद्रित नहीं रह जाएगी। जी राम जी बजट का उपयोग सरकार की प्राथमिकता से होगा। बोलचाल की आर्थिक भाषा में कहें, तो डिमांड साइड के बजाय सप्लाई साइड की योजना बन जाएगी। फिर यह सालों भर चलने वाली योजना नहीं रहेगी। कृषि सीजन में इसे रोक दिया जाएगा। तो कुल मिलाकर बदलाव सिर्फ नाम में नहीं, बल्कि अधिनियम के मूल ढांचे में है। नतीजा यह होगा कि आपातकाल में न्यूनतम रोजगार की आश्वस्ति प्रदान करने और मजदूरों का पलायन रोकने में मनरेगा का, भले ही न्यूनतम मगर जो महत्त्वपूर्ण योगदान बना, वह स्थिति अब नहीं रहेगी। इससे निवेशकों और कृषि सीजन में धनी इलाकों के किसानों को सस्ती दरों पर मजदूर मिल सकेंगे। मनरेगा से इसमें रुकावट आई थी और यह इन तबकों की इस कानून से आरंभ से एक बड़ी शिकायत थी। जबकि जिन गरीब मजदूरों का यह सहारा था, वे अब राम भरोसे जीने को अधिक विवश हो जाएंगे।

भाजपा नेतृत्व में पीढ़ीगत परिवर्तन

हरिशंकर व्यास

बिहार के विधायक नितिन नबीन को भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने को भाजपा नेतृत्व में पीढ़ीगत परिवर्तन के तौर पर देखा जा रहा है। इसकी तुलना दूसरी पार्टियों के अध्यक्षों के उम्र से भी हो रही है। जाहिर है कि इन दिनों मीडिया को वही नैरेटिव चलाना होता है, जो ऊपर से कहा जाता है। इसलिए मल्लिकार्जुन खड़गे की उम्र से लेकर ममता बनर्जी तक के उम्र की तुलना नितिन नबीन की 45 साल की उम्र से की जा रही है। लेकिन क्या पहले भी भाजपा में ऐसे ही नहीं होता था? कम से कम पिछले एक दशक से यह दिख ही रहा है। भाजपा ने जब अमित शाह को अध्यक्ष बनाया तो वह भी पीढ़ीगत परिवर्तन ही था। उस समय भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजनाथ सिंह थे, जिनकी उम्र 63 साल थी। उनकी जगह 49 साल के अमित शाह को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया था। उसके साथ ही तय था कि अब अगला अध्यक्ष अब अमित शाह की पीढ़ी से ही आएगा। अमित शाह ने छह साल बाद 2020 में जब अध्यक्ष पद छोड़ा तब उनकी उम्र 54 साल थी और उस समय 59 साल के हो रहे जेपी नड्डा को कमान दी गई। इस तरह शाह और नड्डा के जरिए उस समय की पहली और दूसरी दोनों लाइन के नेताओं में से किसी के अध्यक्ष बनने की संभावनाओं को समाप्त कर दिया गया। उस समय सुषमा स्वराज से लेकर अरुण जेटली, अनंत कुमार, मनोहर पर्रिकर, उमा भारती, सुशील मोदी, बीएस येदियुरप्पा जैसे तमाम नेता जैसे तमाम नेता रेस से बाहर हो गए। वही काम अब नितिन नबीन के जरिए होगा। उनकी उम्र 45 साल है और यह मान कर चलें कि वे छह साल रहेंगे तो हटने के समय उनकी उम्र 51 साल के आसपास होगी। सो, तय मानें कि उस समय जो अध्यक्ष बनेगा वह इसी उम्र के आसपास का होगा। संभव है कि 55 साल से कम उम्र का हो। इससे कितने लोगों का पत्ता साफ हो गया? अध्यक्ष बनने के जितने दावेदार हैं। धर्मेंद्र प्रधान से लेकर भूपेंद्र यादव, विनोद तावड़े आदि सबकी संभावना खत्म हुई। नितिन नबीन के अध्यक्ष बनने के बाद का घटनाक्रम देखें तो बहुत साफ दिख रहा है कि वे दो श्रेणी के नेताओं के यहां मिलने गए। इनमें मार्गदर्शक मंडल वाले मुरली मनोहर जोशी जैसे नेता हैं तो भाजपा की पहली पंक्ति वाले नेता हैं राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी आदि हैं। बाकी सारे नेता या तो हवाईअड्डे पर उनके स्वागत के लिए खड़े थे या पार्टी मुख्यालय में गुलदस्ता लेकर उनके स्वागत के लिए खड़े थे। सो, अब भाजपा के नेता कयास लगा रहे हैं कि छह साल के बाद किसकी लॉटरी निकल सकती है। लेकिन कोई किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकता है। नितिन नबीन को अध्यक्ष बनाने से एक और बदलाव हुआ है। भाजपा ने परिवारवाद को स्वीकार करने की दिशा में एक कदम और बढ़ा दिया है। पहले कहा जाता था कि भाजपा ऐसी पार्टी है, जिसमें कोई भी सामान्य नेता या कार्यकर्ता अध्यक्ष बन सकता है, जबकि कांग्रेस में यह पद आरक्षित है। तो कांग्रेस ने उधर परिवार से बाहर और पहली पीढ़ी के राजनेता मल्लिकार्जुन खड़गे को अध्यक्ष बनाया। वही भाजपा ने अब अपनी पार्टी के नेता की दूसरी पीढ़ी के व्यक्ति को अध्यक्ष बनाया। यह बदलाव मामूली नहीं है। नितिन नबीन के पिता नवीन किशोर सिन्हा भाजपा के संस्थापक सदस्यों में से थे। उन्होंने 1974 के जेपी आंदोलन में हिस्सा लिया था। एक समय बिहार में भाजपा के सबसे बड़े नेताओं में गिने जाते थे। अपने पिता की विधानसभा सीट से विधायक बन कर उनकी विरासत संभाल रहे नितिन नबीन को भाजपा ने अध्यक्ष बना कर यह संदेश दिया कि अब भाजपा के पुराने नेताओं के बच्चे सर्वोच्च पद पर पहुंच सकते हैं। अगर धर्मेंद्र प्रधान अध्यक्ष बनते तब भी यह बदलाव देखने को मिलता क्योंकि उनके पिता देवेंद्र प्रधान भी भाजपा के बड़े नेता थे।

नया वर्ष: आत्ममंथन, संकल्प और मोदी सरकार की अग्नि-परीक्षा

डॉ. ब्रह्मानंद राजपूत

नया साल एक नए सवेरे की तरह है, जो हर वर्ष एक बार आता है और अपने साथ नई शुरुआत की संभावनाएं लेकर आता है। समय के साथ वह अपने चरम पर पहुंचता है और फिर धीरे-धीरे समाप्त हो जाता है। यही क्रम एक निरंतर अनुभव है, जिसे इस संसार का प्रत्येक व्यक्ति अनुभव करता है। यह निरंतरता ही प्रकृति और जीवन का परम सत्य है। नए वर्ष की शुरुआत प्रत्येक व्यक्ति को पिछले साल के निरंतर प्रवाह और अनुभवों से सीख लेकर अच्छे कार्यों से करनी चाहिए। यह समय आत्मचिंतन का होता है, जब हमें अपने अच्छे-बुरे कार्यों का मूल्यांकन कर आगे बढ़ने का संकल्प लेना चाहिए। नए साल की शुरुआत सद्कर्मों, सकारात्मक सोच और स्पष्ट दिशा के साथ करना ही जीवन को सार्थक बनाता है। नया वर्ष हर व्यक्ति के लिये बीते हुए वर्ष की सफलताओं और उपलब्धियों के साथ.साथ कमियों और गलतियों का मूल्यांकन करने का समय है। यह हमें अपने आप को भावी वर्ष के लिये योजना बनाने, कार्य करने तथा आगामी वर्ष के लिये नये लक्ष्य तय करने का अवसर प्रदान करता है। नये साल की शुरुआत में हर व्यक्ति को भावी वर्ष के लिये नये लक्ष्य बनाने चाहिए और उन्हें पूरा करने की रणनीति बनानी चाहिए। जिससे कि अवसरों को सफलता में बदला जा सके। यदि व्यक्ति अपने जीवन के आरंभ में ही अपने लक्ष्य निर्धारित कर लेता है, तो सफलता की दिशा स्वत: स्पष्ट हो जाती है। लक्ष्य हमें अनुशासन, परिश्रम और निरंतर प्रयास की प्रेरणा देते हैं। इसी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति को नए वर्ष की शुरुआत में वर्ष भर के लिए कुछ स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए, ताकि आने वाले समय में वह अपने लक्ष्य के लिए किए गए सत्कर्मों और प्रयासों के माध्यम से निरंतर विकास करता हुआ अपने जीवन के चरम और शिखर तक पहुँच सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने बीते वर्षों में अनेक उपलब्धियां प्राप्त की हैं, साथ-साथ अनेक सफलताएँ भी पायी हैं। इन सफलताओं और उपलब्धियों में मोदी सरकार को अपनी गलतियों और कमियों पर पर्दा नहीं डालना चाहिए। बल्कि अपनी गलतियों और कमियों का मूल्यांकन करके भावी वर्ष के लिये रणनीति बनानी चाहिए। जिससे कि गलतियों और कमियों को सुधारकर अवसरों में बदला जा सके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते वर्षों में जिस प्रकार से अनेक चुनौतियों का सामना किया, उसी प्रकार भावी वर्ष में भी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। कहा जाए तो साल 2026 में नरेंद्र मोदी को अनेक अग्नि परीक्षाओं से गुजरना पड़ेगा और आने वाला वर्ष राजनीतिक दृष्टि से भी भाजपा व पीएम मोदी के लिये बेहद अहम है। 2026 में देश के 4 राज्यों- असम, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और केरल तथा 1 केंद्र शासित प्रदेश- पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। ऐसे में भाजपा के सामने केवल प्रचार का ही नहीं, बल्कि संगठनात्मक मजबूती और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी की भी चुनौती होगी। इसी क्रम में (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) यानी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया चुनावी तैयारियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। नए वर्ष में मतदाता सूचियों को त्रुटिरहित, पारदर्शी और अद्यतन बनाना लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है। विशेष गहन पुनरीक्षण के माध्यम से फर्जी, दोहरे या मृत मतदाताओं के नाम हटाकर वास्तविक और पात्र मतदाताओं को सूची में शामिल करना निष्पक्ष चुनाव की बुनियाद को मजबूत करता है। इन पाँच चुनावी क्षेत्रों में भाजपा की स्थिति

अलग-अलग है। असम में पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार है, जबकि पुडुचेरी में गठबंधन सरकार सत्तारूढ़ है। इन दोनों स्थानों पर सत्ता को बनाए रखना भाजपा के लिए एक बड़ी चुनौती होगी। वहीं केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल ऐसे राज्य हैं जहाँ भाजपा अपने संगठन का विस्तार कर राजनीतिक बढ़त बनाने की कोशिश कर रही है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल भाजपा की रणनीति का प्रमुख केंद्र बनता दिखाई दे रहा है। यहाँ राष्ट्रीय मुद्दों के साथ-साथ विशेष गहन पुनरीक्षण जैसी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के माध्यम से निष्पक्ष मतदान और जागरूक मतदाता पर जोर देना पार्टी की चुनावी रणनीति का अहम हिस्सा हो सकता है।

असम और पश्चिम बंगाल में लंबे समय से यह चिंता व्यक्त की जाती रही है कि बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठिए कथित रूप से मतदाता सूची में शामिल होकर वर्षों से मतदान करते आ रहे हैं। यदि ऐसा है, तो यह न केवल भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की शुचिता पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि स्थानीय नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों के लिए भी गंभीर चुनौती उत्पन्न करता है। इन्हीं आशंकाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया आरंभ की गई है, जिसके तहत मतदाता सूचियों की गहराई से जांच की जा रही है। सरकार का तर्क है कि यह प्रक्रिया विशेष रूप से असम और पश्चिम बंगाल जैसे सीमावर्ती राज्यों में आवश्यक है, जहाँ अवैध घुसपैठ की समस्या को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। यह भी आरोप लगाए जाते रहे हैं कि कुछ घुसपैठियों ने आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र जैसे दस्तावेज बनवा लिए हैं, जिसके कारण वे चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा बन गए। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, पश्चिम बंगाल में ऐसे मतदाताओं का लाभ सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को मिलता है, जबकि असम में इसका प्रभाव विपक्षी दलों की स्थिति को मजबूत करने के रूप में देखा जाता है। सरकार का कहना है कि विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य किसी समुदाय या राज्य को निशाना बनाना नहीं, बल्कि मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करना है, ताकि केवल पात्र और वैध नागरिक ही लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग ले सकें। निष्पक्ष, पारदर्शी और संवैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से ही लोकतंत्र की विश्वसनीयता को बनाए रखा जा सकता है। जहाँ तक दो दक्षिणी राज्यों-केरल और तमिलनाडु का प्रश्न है, तो भारतीय जनता पार्टी के लिए यहाँ खोने के लिए कुछ भी नहीं, बल्कि केवल पाने के अवसर ही हैं। यदि भाजपा इन राज्यों में बेहतर प्रदर्शन करती है, भले ही वह सरकार बनाने की स्थिति में न पहुँचे, तब भी यह पार्टी के लिए राजनीतिक रूप से लाभकारी सिद्ध होगा। ऐसा प्रदर्शन न केवल संगठनात्मक मजबूती को दर्शाएगा, बल्कि भविष्य में अपनी राजनीतिक संभावनाओं को विस्तार देने की ठोस आधारशिला भी तैयार करेगा। स्पष्ट है कि यदि मोदी सरकार अपनी जनकल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन और प्रभावी संप्रेषण पर ध्यान केंद्रित करती है, तो आगामी चुनावों में भाजपा को इसका राजनीतिक लाभ मिल सकता है। इन सभी राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों में भाजपा की सफलता और असफलता सीधे-सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की साख को प्रभावित करेगी।

मोदी सरकार ने बीते वर्षों में अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी रूप से संचालित किया है, जिनका सीधा लाभ आम जनमानस तक पहुँचा है। प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, जल जीवन मिशन, मुफ्त राशन योजना, स्वच्छ भारत अभियान और किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की पहुँच को मजबूत किया है। वर्ष 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा अनेक नई पहलें की गई हैं तथा कई महत्वपूर्ण योजनाओं को आरंभ और विस्तार दिया गया है। इन पहलों का उद्देश्य देश के समग्र विकास को गति देना और अंतिम पंक्ति में खड़े नागरिक तक विकास की पहुँच सुनिश्चित करना है। अब आवश्यकता इस बात की है कि सरकार इन योजनाओं को केवल घोषणा तक सीमित न रखे, बल्कि उन्हें प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से उनकी तार्किक परिणति तक पहुँचाए और ठोस, सकारात्मक परिणाम सामने लाए। वर्ष 2025 में मोदी सरकार ने 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को केंद्र में रखते हुए बीते वर्षों में लागू हुयी योजनाओं-प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, पीएम विश्वकर्मा योजना तथा हरित ऊर्जा एवं नवीकरणीय ऊर्जा मिशन जैसी योजनाओं को गति देने का कार्य किया है। इन योजनाओं का उद्देश्य बुनियादी ढाँचे का सुदृढ़ीकरण, रोजगार सृजन, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करना है।

साथ ही, मोदी सरकार के समक्ष यह भी चुनौती है कि शासन व्यवस्था को सभी स्तरों पर अधिक कुशल, पारदर्शी, भ्रष्टाचारमुक्त, जवाबदेह और नागरिक-अनुकूल बनाया जाए। इस दिशा में डिजिटल गवर्नेंस, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर और ई-गवर्नेंस जैसी व्यवस्थाएँ शासन में विश्वास को मजबूत कर रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं इन सुधारों को लेकर निरंतर प्रयासरत रहे हैं और उनका स्पष्ट दृष्टिकोण रहा है कि विकास का लाभ केवल आंकड़ों तक सीमित न रहे, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन के रूप में दिखाई दे। योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन और परिणामोन्मुख शासन ही विकसित भारत की नींव को मजबूत कर सकता है। इसके अतिरिक्त, देश में मोदी सरकार को ठेकेदारी प्रथा और आउटसोर्सिंग व्यवस्था पर गंभीरता से पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। वर्तमान परिदृश्य में ठेकेदारी प्रथा और आउटसोर्सिंग गरीब एवं मध्यम वर्ग के श्रमिकों के शोषण का माध्यम बनती जा रही हैं। इन व्यवस्थाओं के अंतर्गत कार्यरत कर्मचारियों से कथित रूप से निरंतर वसूली की जाती है, जिसमें कई बार सरकारी तंत्र से जुड़े अधिकारी और कर्मचारी भी संलिप्त बताए जाते हैं। यह स्थिति न केवल सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है, बल्कि श्रम की गरिमा और रोजगार की सुरक्षा पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। ऐसे में सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र में ठेकेदारी प्रथा पर पूर्णत: रोक लगाने अथवा उसे कठोर नियमों और पारदर्शी निगरानी व्यवस्था के तहत लाने की ठोस पहल करनी चाहिए, ताकि श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित हो सके। यदि श्रम नीतियों में सुधार कर स्थायी, सुरक्षित और सम्मानजनक रोजगार को प्राथमिकता दी जाती है, तो इसका व्यापक सकारात्मक प्रभाव समाज और अर्थव्यवस्था दोनों पर पड़ेगा। स्पष्ट है कि नया वर्ष केवल उत्सव या कैलेंडर परिवर्तन का प्रतीक नहीं, बल्कि व्यक्ति, समाज और राष्ट्र-तीनों के लिए आत्ममंथन, मूल्यांकन और नए संकल्प लेने का महत्वपूर्ण अवसर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश एक ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहाँ उपलब्धियों के साथ-साथ अनेक राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक चुनौतियाँ भी सामने हैं। ऐसे में सरकार के लिए आवश्यक है कि वह बीते अनुभवों से सीख लेते हुए भविष्य की दिशा को स्पष्ट और सुदृढ़ बनाए। यदि मोदी सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन, निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनावी प्रक्रिया, मतदाता जागरूकता, राष्ट्रीय सुरक्षा की मजबूती तथा सुशासन की भावना के साथ आगे बढ़ती है, तो आने वाला वर्ष लोकतंत्र को और अधिक सशक्त करने वाला सिद्ध हो सकता है। साथ ही, स्पष्ट राजनीतिक दृष्टि, जवाबदेह प्रशासन और नागरिक-केंद्रित नीतियों के माध्यम से सरकार न केवल चुनौतियों का समाधान कर सकती है, बल्कि उन्हें अवसरों में भी बदल सकती है। इस प्रकार नया वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार के लिए स्वयं को परखने, नीतियों को धरातल पर उतारने और राष्ट्र को विकास, स्थिरता तथा विश्वास के नए पथ पर आगे ले जाने का अवसर है। यदि यह संतुलन साधा जाता है, तो आने वाला वर्ष न केवल भाजपा के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए प्रगति और सशक्त लोकतंत्र का नया अध्याय साबित हो सकता है। वर्ष 2026 में मोदी सरकार को महिलाओं की सुरक्षा के साथ-साथ बेहतर लैंगिक संवेदनशीलता भी सुनिश्चित करनी होगी। कहा जाए तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राष्ट्र को उपलब्धियों की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिये तहेदिल से और एकाग्रचित होकर प्रयास करना होगा, जो कि उनके हर प्रयास में दिखता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिये वर्ष 2026 में अनेक उपलब्धियाँ गढ़ने का अवसर है। अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ सम्पूर्ण देश का नागरिक एक सशक्त, एकजुट एवं समृद्ध भारत के निर्माण की दिशा में मिलकर काम करने का संकल्प लें तो देश को आगे बढ़ने से कोई ताकत नहीं रोक सकती।

कांग्रेस ने विभाजन के बीज बोए

बलबीर पुंज

भारतीय उपमहाद्वीप में जो मुस्लिम समूह 'वंदे मातरम्' के विरोध के पीछे मजहबी कारणों का हवाला देता है, वह वास्तव में भ्रामक और झूठा है। विश्व के इस क्षेत्र में मुसलमानों का एक बड़ा हिस्सा पाकिस्तान को इस्लामी पहचान का प्रतीक मानता है। परंतु पाकिस्तान न तो इस्लाम का रक्षक है, न ही 'उम्माह' के प्रति वफादार।

भारत के राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के विरोध का कारण क्या है? तथाकथित 'सेकुलर' खेमा— जोकि वामपंथियों, स्वयंभू उदारवादियों और मुस्लिम नेतृत्व के एक वर्ग को मिलाकर बना है— उसका दावा है कि वंदे मातरम् 'गैर-इस्लामी' है। सच क्या है? दरअसल, इस आपत्ति की जड़े इस्लामी अवधारणाओं के बजाय भारतीय उपमहाद्वीप के मुस्लिम अभिजात वर्ग में व्याप्त गैर-इस्लामी सनातन सभ्यता के प्रति गहरे द्वेष में अधिक मिलती है। इसी अंतर्निहित वैमनस्य की कोख से पाकिस्तान का जन्म हुआ था, जो आज भी विश्व के इस भूखंड में सांप्रदायिक विभाजनकारी मानसिकता को जिंदा रखे हुए है। जिस तरह संस्थाएं-व्यक्ति समय के साथ बदलते हैं, वैसे ही विचार भी विकसित होते हैं। 'वंदे मातरम्' बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित गीत है, जिसे पहले 1875 में स्वतंत्र कविता के रूप में लिखा गया, फिर यह 1882 में 'आनंदमठ' उपन्यास में शामिल हुआ। यह साहित्य 1773 के 'संन्यासी विद्रोह' पर आधारित है, जो ब्रितानी शासन और तत्कालीन इस्लामी-व्यवस्था के विरुद्ध था। बीसवीं सदी की शुरूआत से यह गीत स्वतंत्रता आंदोलन का सबसे

शक्तिशाली नाद बन गया।

कांग्रेस स्वयं भी इस वैचारिक रूपांतरण का एक बड़ा उदाहरण है। 1885 में अंग्रेज अधिकारी एलन ऑक्टेवियन ह्यूम द्वारा स्थापित कांग्रेस पहले ब्रिटिश-राज की स्थिरता और 1857 जैसे विद्रोह को रोकने का कुटिल उपक्रम था। परंतु एक पीढ़ी के भीतर— विशेषकर वर्ष 1920 के बाद गांधीजी के नेतृत्व में, वही दल जन-आधारित राष्ट्रवाद की सबसे बड़ी धुरी बन गया। क्या केवल इस कारण कांग्रेस को खारिज किया जा सकता है कि उसकी स्थापना एक अंग्रेज ने ब्रितानी हितों की रक्षा हेतु की थी? यदि नहीं, तो फिर 'वंदे मातरम्' का विरोध उसके मूल साहित्यिक संदर्भ के नाम पर कैसे जायज ठहराया जा सकता है? वर्ष 1896 में कांग्रेस के कोलकाता अधिवेशन में गुरुदेव रबींद्रनाथ टैगोर ने इस गीत को पहली बार गाया। 1905 के वाराणसी अधिवेशन में कांग्रेस ने इसे राष्ट्रीय अवसरों पर गाने का औपचारिक निर्णय लिया। वर्ष 1907 में मैडम भीकाजी कामा ने देश के बाहर जर्मनी में पहली बार भारतीय तिरंगा फहराया, जिस पर 'वंदे मातरम्' लिखा था। 1909 में वीर क्रांतिकारी मदनलाल ढींगरा 1909 में 'वंदे मातरम्' बोलते हुए फांसी पर चढ़ गए। खिलाफत आंदोलन (1919-24) के बाद कुछ मुस्लिम नेताओं ने मजहबी आधार पर इसके खिलाफ आपत्ति उठानी शुरू कर दी। यह वही दौर था, जब ब्रिटिश संरक्षण में देश में अलगाववादी शक्तियां (द्रविड़ आंदोलन सहित) तेजी से बढ़ रही थीं। तब मुस्लिम नेतृत्व का कांग्रेस-विरोध केवल वंदे मातरम् तक सीमित नहीं था। उन्होंने लगभग हर उसका विरोध किया, जो भारत की सभ्यतागत विविधता और सांस्कृतिक आत्मा का प्रतीक रहा। इसमें वे ब्रितानियों और वामपंथियों के साथ खड़े दिखाई दिए। अपने पिछले लेख में मैंने पीरपुर समिति रिपोर्ट का उल्लेख किया था। मार्च 1938 में प्रकाशित इस दस्तावेज का औपचारिक नाम— ए रिपोर्ट ऑफ द इन्क्वारी कमेटी अप्वाइंटेड बाय द काउंसिल ऑफ द ऑल इंडिया मुस्लिम लीग था। यह पीरपुर रिपोर्ट के नाम से इसलिए प्रसिद्ध हुई, क्योंकि इसके रचनाकार मुस्लिम लीग नेता राजा मोहम्मद मेहदी ऑफ पीरपुर थे। इस रिपोर्ट में हिंदू, हिंदू सांप्रदायिकता और कांग्रेस— तीनों का अर्थ एक ही था। इसमें हिंदी भाषा के प्रयोग, वंदे मातरम् और गौसंरक्षण जैसे मुद्दों को उठाया गया। तत्कालीन कांग्रेस नेतृत्व ने मुस्लिम लीग के अधिकांश आरोपों को निराधार बताया। परंतु उसने विरोध करने के बजाय जिहादी शक्तियों के सामने घुटने टेक दिए और अक्टूबर 1937 में कांग्रेस कार्यसमिति ने वंदे मातरम् का संक्षिप्त संस्करण अपनाकर देवी दुर्गा से जुड़े अंश हटा दिए। यह निर्णय देश पर भारी पड़ा। तब पीरपुर रिपोर्ट को आधार बताकर नैरेटिव गढ़ा गया कि स्वतंत्र भारत में मुसलमानों को न्याय नहीं मिलेगा, इसलिए पाकिस्तान जरूरी है। इसी आत्मसमर्पण वाली मानसिकता से ग्रस्त होकर दस वर्ष बाद जून 1947 में कांग्रेस ने विभाजन भी स्वीकार कर लिया। पीरपुर रिपोर्ट में जो आरोप तब कांग्रेस पर लगाए गए थे, वह आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस पर मढ़े जाते हैं। क्या विभाजन के बाद खंडित भारत में बसे मुस्लिम समुदाय का दिल बदल गया? बार-बार नैरेटिव गढ़ जाता है कि वर्तमान भारतीय मुसलमानों ने 'दो-राष्ट्र सिद्धांत' को ठुकराकर पाकिस्तान के बजाय खंडित भारत को चुना। यदि यह सच है, तो फिर भारतीय सभ्यता का प्रतीक वंदे मातरम् आज भी उसी समुदाय के कुछ हिस्सों को क्यों खटकता है? यह कटु सत्य है कि पाकिस्तान की मांग तब बिहार, उत्तरप्रदेश और बंगाल के मुस्लिम अभिजात वर्ग ने की थी, उनमें से अधिकांश पाकिस्तान नहीं गए। उन्होंने यहीं रहकर जिहादी नकाब उतारकर खादी पहन ली और उसी कांग्रेस में शामिल हो गए, जिसे वे कभी 'गैर-इस्लामी' कहते थे। पीरपुर रिपोर्ट के लेखक राजा मेहदी के बेटे सैयद अहमद मेहदी भी बाद में कांग्रेस के सांसद और केंद्रीय मंत्री भी बने। ऐसे कई उदाहरण है। कितनी बड़ी विडंबना है कि आजादी से पहले जो मुस्लिम नेता 'दो राष्ट्र सिद्धांत' के झंडाबरदार थे, वे आज सेकुलरवाद के 'पैरोकार' है। भारतीय उपमहाद्वीप में जो मुस्लिम समूह 'वंदे मातरम्' के विरोध के पीछे मजहबी कारणों का हवाला देता है, वह वास्तव में भ्रामक और झूठा है। विश्व के इस क्षेत्र में मुसलमानों का एक बड़ा हिस्सा पाकिस्तान को इस्लामी पहचान का प्रतीक मानता है। परंतु पाकिस्तान न तो इस्लाम का रक्षक है, न ही 'उम्माह' के प्रति वफादार। वैश्विक मुस्लिम एकजुटता के बजाय अमेरिका-इजराइल का प्रत्यक्ष-परोक्ष साथ देते हुए ईरान पर हमले का सहभागी बनना, गाजा पर अमेरिकी प्रस्ताव को स्वीकार और अपने देश में मुसलमानों की पहचान मिटाने वाले चीन के साथ रणनीतिक गठजोड़ करना— पाकिस्तान और उससे सहानुभूति रखने वाले वर्ग के दोहरे चरित्र को उजागर करता है। यह विडंबना है कि जो मुस्लिम समूह 'भारत माता' को नमन करने वाले 'वंदे मातरम्' का विरोध करता है, लगभग वह ही मंदिर तोड़ने और असंख्य हिंदुओं-सिखों का संहार करने वाले मुस्लिम आक्रांताओं— बाबर और औरंगजेब, टीपू सुल्तान आदि का महिमामंडन करता है। क्या इस चिंतन की जड़े भारतीय सनातन संस्कृति के प्रति घृणा में नहीं छिपी? इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का यह कथन कि 1937 में कांग्रेस ने विभाजन के बीज बोए— कोई राजनीति से प्रेरित वक्तव्य नहीं, बल्कि ऐतिहासिक तथ्य है।

हैंगिंग प्लांट की केयर करने के लिए अपनाएं टिप्स

आजकल घरों में हैंगिंग प्लांट्स लगाने का चलन काफी बढ़ गया है। जहां कुछ वक्त पहले तक लोग अपने घर में स्पेस प्रोब्लम की वजह से हैंगिंग प्लांटर का इस्तेमाल करते थे, वहीं अब यह एक फैशन बन चुका है। अधिकतर लोग अपनी बालकनी से लेकर किचन एरिया में हैंगिंग प्लांटर का इस्तेमाल करते हैं और वहां पर तरह-तरह के पौधे लगाते हैं। इससे वे अपने घर में कम स्पेस में बहुत सारे पौधों को जगह दे पाते हैं। इतना ही नहीं, हैंगिंग प्लांट्स के कारण उनका घर भी बेहद खूबसूरत लगता है। हालांकि, अधिकतर लोग अपने घर में हैंगिंग प्लांट्स तो लगा लेते हैं, लेकिन उनकी सही तरह से केयर नहीं कर पाते हैं। जिससे पौधे सूख जाते हैं और फिर हैंगिंग प्लांटर देखने में भी अच्छे नहीं लगते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे छोटे-छोटे टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें फॉलो करके आप अपने हैंगिंग प्लांट्स की सही ढंग से केयर कर सकते हैं-

हर दिन दें पानी

अगर आपने हैंगिंग प्लांट्स को अपने घर में जगह दी है तो ऐसे में आपको उन्हें हर दिन पानी देना चाहिए। ध्यान रखें कि हैंगिंग प्लांट्स में लगे पौधे जमीन में लगे पौधों की तुलना में अधिक जल्दी सूखते हैं, क्योंकि वे हवाओं के संपर्क में अधिक होते हैं। इसलिए, आपको उन्हें नियमित रूप से पानी देना चाहिए। पानी देने से पहले आप अपनी उंगली एक इंच मिट्टी में डालें। यदि वह सूखी है तो पौधे को पानी दें। लेकिन अपनी हैंगिंग बास्केट में बहुत अधिक पानी भरने से बचें। ओवरवाटरिंग से आपका पौधा सड़ सकता है और खराब हो सकता है।

लाइटिंग का रखें ध्यान

अमूमन लोग हैंगिंग प्लांट्स को कहीं पर भी लटका देते हैं। हालांकि, आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। आप अपने पौधे को ऐसे स्थान पर लटकाएं, जहां पर उचित मात्रा में प्रकाश आता हो।कुछ पौधों को अधिक रोशनी की जरूरत होती है, जबकि अन्य कम रोशनी की स्थिति में पनपते हैं। ऐसे में आपके पौधे को सही मात्रा में प्रकाश मिले, आप हैंगिंग प्लांट्स को उसी के अनुसार हैंग करें।

करें फर्टिलाइज

अपने हैंगिंग प्लांट की बेहतर ग्रोथ के लिए आपको उसे समय-समय पर वाटर सॉल्यूबल फर्टिलाइज देने की जरूरत पड़ती है। इसलिए, आप अपने अन्य पौधों की तरह ही अपने हैंगिंग प्लांट्स को भी उनकी जरूरतों के आधार पर फर्टिलाइज करें। ध्यान रखें कि आप अधिक फर्टिलाइजर डालने से बचें, क्योंकि यह पौधे को नुकसान पहुंचा सकता है।

करें छंटाई

अपने हैंगिंग प्लांट्स की केयर करने, उसकी शेप को मेंटेन करने और नई ग्रोथ के लिए समय-समय पर उसकी छंटाई करना बेहद जरूरी है। इससे हैंगिंग प्लांट की टेढ़ी-मेढ़ी वृद्धि को रोकने में भी मदद मिलती है।

करें रिपॉटिंग

कुछ लोग एक बार हैंगिंग प्लांटर में एक बार प्लांट लगा लेते हैं और बस उसे खाद-पानी देते जाते हैं। लेकिन जैसे-जैसे आपका पौधा बढ़ता है तो यह कंटेनर से बड़ा हो सकता है। इसलिए, जब आपको लगे कि हैंगिंग प्लांटर में आपके पौधे की ग्रोथ पर असर पड रहा है तो ऐसे में उसे रिपॉट करें। आप उसे थोड़े बड़े गमले में दोबारा लगाएं।

पेन होल्डर को किस दिशा में रखना होता है शुभ

घर में किसी भी चीज को रखने के लिए सही दिशा में जानना बेहद जरूरी माना जाता है, वरना इसका असर व्यक्ति के जीवन पर अशुभ पड़ता है और उसे कई तरह की परेशानियों का भी सामना करना पड़ जाता है। ऐसे में कई लोग पेन को लिखने के बाद कहीं न कहीं रख देते हैं और आमतौर पर भारतीय घरों में पेन होल्डर होने के बावजूद उसे सही दिशा में नहीं रखा जाता है। जिससे अशुभ परिणाम झेलना पड़ जाता है।

घर में पेन होल्डर को इस दिशा में रखें

घर में पेन होल्डर को उत्तर-पूर्व दिशा में रखना शुभ माना जाता है। इससे व्यक्ति को पढ़ाई में सफलता (सफलता प्राप्ति उपाय)मिलती है और उसे कभी किसी मुश्किल का सामना नहीं करना पड़ता है। पेन होल्डर सकारात्मक ऊर्जा का केंद्र माना जाता है। इसलिए अगर आपके घर में पेन

होल्डर में पेन नहीं रखें और इसके अलावा किसी भी दिशा में रखें हैं, तो इसे तुरंत ही हटा दें और होल्डर में ही रखें।

बिना कैप के न रखें पेन

पेन होल्डर में बिना कैप के पेन को नहीं रखना चाहिए। इससे घर में कलह-क्लेश की स्थिति पैदा होती है और व्यक्ति को काम में कभी सफलता नहीं मिलती है। इसलिए भूलकर भी बिना कैप के पेन को पेन होल्डर में न रखें।

इस रंग का रखें पेन होल्डर

अगर आप घर में पेन होल्डर रख रहें हैं, तो नीले रंग का पेन होल्डर रखें। यह शांति और शुद्धता का प्रतीक है। इसलिए पेन होल्डर को रखते समय इन बातों का ध्यान अवश्य रखें।

ऑफिस में पेन होल्डर इस दिशा में रखें

ऑफिस में पेन होल्डर को पूर्व दिशा में रखें। इससे व्यक्ति को कभी भी असफलता का सामना नहीं करना पड़ेगा ।

दीवार पर लगे तेल के निशान हटाने के लिए अपनाएं आसान हैक्स

दिवाली के त्योहार पर दीवार या टाइल्स पर तेल का निशान लगना आम बात है। इसके लिए घरेलू उपाय का इस्तेमाल कर के जिद्दी और चिपचिपी दाग या धब्बे को हमेशा के लिए खत्म किया जा सकता है। अगर इस दिवाली पर आपके घरों में भी दीवार या टाइल्स पर तेल के निशान पड़ गया है, तो इन आसान तरीकों से साफ किया जा सकता है। दिवाली के त्योहार पर दीवारों और टाइल्स पर लगे तेल के दागों को हटाना आसान नहीं होता है, लेकिन लिक्विड डिश वॉश की मदद से आप इन्हें आसानी से हटा सकते हैं।

सबसे पहले, दाग वाली जगह को हल्के से साबुन के पानी से धो लें। फिर, एक कपड़े में थोड़ा सा लिक्विड डिश वॉश लें और उसे दाग पर रगड़ें। कुछ मिनट के बाद, एक नम कपड़े से दाग को साफ कर लें। अगर दाग अभी भी दिखाई दे रहा है, तो इस प्रक्रिया को दोहराएं।

प्रेस या फिर हेयर ड्रायर से कर सकते हैं साफ

दीवारों और टाइल्स पर लगे तेल के दागों को हटाने के लिए प्रेस से या फिर हेयर ड्रायर का इस्तेमाल किया जा सकता है। यह एक आसान और प्रभावी तरीका है, जो पुराने दागों को भी हटाने में मदद कर सकता है। सबसे पहले, दाग वाली जगह को एक साफ कपड़े से पोंछ लें। फिर, एक पतला कागज का टुकड़ा दाग पर रखें। इसके बाद, प्रेस को मध्यम तापमान पर सेट करें और कागज पर रखें। प्रेस को 10-15 सेकंड के लिए रखें। कागज को हटा दें और देखें कि दाग नम हो कर निकल जाएगा। ऐसे ही हेयर ड्रायर का इस्तेमाल कर सकते हैं।

बेकिंग सोडा का करें इस्तेमाल

बेकिंग सोडा एक नेचुरल degreaser होता है, जो तेल के दाग हटाने में बहुत कारगर होता है।
बेकिंग सोडा को तेल के दाग पर छिड़कें और कुछ मिनट के लिए ऐसे ही रहने दें। बेकिंग सोडा तेल को सोख लेगा और दाग हल्का हो जाएगा। उसके बाद, बेकिंग सोडा को हटाने के लिए एक नम कपड़े से दाग को साफ करें।

नींबू का रस:

नींबू का रस एक एसिड के तौर पर काम करता है, जो तेल को तोड़ने में मदद करता है। नींबू के रस को तेल के दाग पर डालें और कुछ मिनट के लिए ऐसे ही रहने दें। उसके बाद, नींबू के रस को हटाने के लिए एक नम कपड़े से दाग को साफ करें।

कपूर:

कपूर एक नेचुरल degreaser है जो तेल के दाग हटाने में बहुत कारगर है। कपूर को तेल के दाग पर रगड़ें और कुछ मिनट के लिए ऐसे ही रहने दें। कपूर तेल को घोल देगा और दाग हल्का हो जाएगा। उसके बाद, कपूर को हटाने के लिए एक नम कपड़े से दाग को साफ करें।

पूजा के फूलों से बनाई जा सकती है धूप बत्ती

पूजा के दौरान इस्तेमाल होने वाले फूल वाकई बहुत खास होते हैं। हम कोशिश करते हैं कि सबसे खूबसूरत और सुगंधित फूलों को भगवान के चरणों में अर्पित कर सकें। पर मंदिर हो या घर फूलों के मुरझाने के बाद या तो उन्हें फेंक दिया जाता है या फिर उन्हें पानी में विसर्जित कर दिया जाता है। दोनों ही मामलों में प्रदूषण बहुत ज्यादा बढ़ता है। त्यौहारों का समय चल रहा है और इस समय में फूलों का इस्तेमाल बहुत ज्यादा होता है। ऐसे में क्या इन्हें फेंक देना सही है?

पूजा के फूलों में सिंदूर, प्रसाद, अगरबत्ती की राख और ऐसी कई चीजें मिक्स होती हैं जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचा सकती हैं। ऐसे में क्यों ना पूजा के फूलों को ही रिसाइकिल किया जाए? आज हम आपको उनसे जुड़े कुछ आसान से हैक्स बताते हैं।

पूजा के फूलों से बनाएं धूपबत्ती- आपके पास किस तरह के फूल हैं उसके हिसाब से घर पर ही पूजा के लिए धूप बत्ती बनाई जा सकती है।

आवश्यक सामग्री- 15-15 अलग-अलग तरह के फूल, 1 तेजपत्ता, 3 कपूर, गूगल, कोयला या गोबर का कंडा (छोटा सा टुकड़ा), हवन सामग्री- चंदन पाउडर, 3 चम्मच घी, 2 चम्मच तिल का तेल , 1 चम्मच शहद लें।

बनाने की विधि - सबसे पहले सूखे फूल कोयला, हवन सामग्री, गूगल, चंदन, तेजपत्ता आदि को ग्राइंड कर लें और तैयार पाउडर को छलनी से छान लें। अब इसमें घी, तिल का तेल, शहद और 1-2 चम्मच पानी मिलाएं। अब इसे आटे की तरह गूंथकर छोटी-छोटी गोली बनाएं और आपकी धूपबत्ती तैयार है। इसे एक-दो दिन सूखने दें और उसके बाद इसे यूज करें।

जानिए कैसे करनी है अपने स्किन टाइप की पहचान

हर त्वचा अलग होती है और अपनी खूबसूरती को बनाए रखने के लिए अलग-अलग स्किन केयर रूटीन की ज़रूरत होती है। इसलिए, यह ज़रूरी हो जाता है कि आप पहचानें कि आपकी त्वचा किस प्रकार की है ताकि आप धूप और गर्मी के इस मौसम में एक सही स्किन केयर रूटीन फॉलो कर सकें। ब्यूटी एक्सपर्ट शहनाज़ हुसैन हेल्थ शॉट्स पर एक समर स्किन केयर गाइड साझा कर रही हैं जो आपकी खास त्वचा को और भी शानदार बना सके। अपनी त्वचा के प्रकार को समझना सही स्किन केयर रूटीन चुनने की दिशा में पहला कदम है, तीन प्रकार की त्वचा होती है :

1 शुष्क त्वचा

अगर आपकी त्वचा शुष्क है तो आपकी त्वचा बेजान लगेगी, आपको आंखों और मुंह के आस-पास महीन रेखाएं दिखाई दे सकती हैं और साथ ही पूरी त्वचा पर सूखापन भी हो सकता है। मौसम में बदलाव से आपकी त्वचा निर्जलित और परतदार महसूस होगी। शुष्क त्वचा के कारण, आप तापमान और जलवायु में होने वाले बदलावों के प्रति संवेदनशील होंगे जो आपकी त्वचा पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं जिससे इसे संभालना मुश्किल हो जाता है।

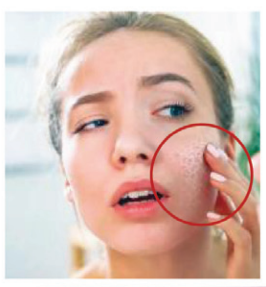

2 तैलीय त्वचा

आपकी त्वचा चमकदार, अत्यधिक तैलीय और खुले रोमछिद्रों वाली दिखाई देती है। अत्यधिक तेल स्राव के कारण, आप पिंपल्स और ब्लैकहेड्स के प्रति संवेदनशील हो सकते हैं। प्रदूषण और पर्यावरणीय कारक पिंपल्स को और बढ़ा देंगे और दिन के अंत में आपकी त्वचा चिपचिपी दिखाई देगी। अक्सर आप अपनी त्वचा पर तैलीय परत का अनुभव करते हैं और एक दिन की यात्रा के बाद घर लौटने पर बहुत अधिक गंदगी को आकर्षित करते हैं।

3 मिश्रित त्वचा

यदि आप अपने माथे और नाक के पुल पर तेल का अनुभव करते हैं, तो आपकी त्वचा का सबसे आम प्रकार, मिश्रित त्वचा है। गर्मियों के दौरान आपको बहुत अधिक तैलीयपन का अनुभव हो सकता है क्योंकि आपकी त्वचा सूरज की क्षति के प्रति संवेदनशील हो जाती है।

गंदे फव्वारे को साफ करने के आसान टिप्स

घर लाख कोशिशों के बाद भी अक्सर गंदा हो जाता है। ऐसा होने पर आप मार्केट से तरह-तरह के प्रोडक्ट्स खरीदते हैं, लेकिन बावजूद इसके घर साफ होने का नाम नहीं लेता है। अब आप बॉथरूम के शावर हैड को ही देख लिजिए, जो अक्सर गंदा होने की वजह से खराब तक हो जाता है। इस आर्टिकल में जानें कि आप शावर हैड को कैसे साफ कर सकते हैं। शावर हैड पर लगी गंदगी को अगर समय पर साफ ना किया जाए तो आपका शावर खराब हो सकता है। ऐसे में आपको बस टूथपिक की मदद से शावर की गंदगी निकाली है। शावर के होल में फंसी हुई गंदगी में आप जैसे ही टूथपिक डालेंगे, सारी गंदगी बाहर आ जाएगी। यह ट्रिक सबसे आसान है और थोड़े से समय में शावर साफ भी हो जाता है।

गंदे शावर हैड को साफ करने का लिक्विड

गंदे शावर हैड को साफ करने के लिए आप घर पर लिक्विड भी तैयार कर सकते हैं। लिक्विड बनाने के लिए आपको चाहिए बेकिंग सोडा और 2 चम्मच सिरका। इन दिनों चीजों को एक बाउल गुनगुने पानी में मिलाएं। इसके बाद आपको इसे स्क्रब की मदद से शावर हैड पर लगाना है। ऐसा करने से आपका शावर हैड चमक उठेगा।

शावर हैड को साफ करने का सबसे आसान तरीका

शावर हैड को साफ करने का सबसे आसान तरीका है कि आपको गर्म पानी करना है। बाउल बड़ा लें जिसमें शावर हैड आ पाए। अब शावर हैड को पानी में डालें और कम से कम आधे घंटे के लिए रखा रहने दें। ऐसा करने से आपका शावर है आसानी से खुद ब खुद साफ हो जाएगा। शावर हैड को कम से कम महीने में 1 बार साफ जरूर करें।

पूरियां तलते वक्त अपनाएं ट्रिक

परफेक्ट पूरियां बनाना किसे अच्छा नहीं लगता है। लेकिन कई बार ऐसा होता कि पूरियां तलते वक्त उसमें ढ़ेर सारा तेल अंदर भर जाता है। जिसे देखकर ही खाने का मन नहीं करता है। क्योंकि वह देखने में ही अनहेल्दी सा दिखता है। ऐसी पूरियों से छुटकारा दिलाने के लिए हम लाएं हैं आपके लिए यह खास टिप्स। जिसकी मदद से आप गोल-गोल ऑयल फ्री पूरी आराम से तल सकते हैं और पूरी फटने या उसमें तेल घुसने की समस्याओं से आपको छुटकारा मिल जाएगा।

आटे को रखें सख्त

जब भी आपको फूली हुई पूरियां चाहिए तो आटे को थोड़ा सख्त गुंथे। पूरियों के आटे को हल्का टाइट गुथेंगे तो इससे कढ़ाई में पूरियां फटती नहीं है और इसमें तेल ज्यादा भरते भी नहीं है। पूरी के लिए जब भी आटा गुंथे तो उसमें तेल या घी जरूर डालें

पूरी के आटे में तेल या घी डालने से यह फटते नहीं है। यह आराम से अच्छे और फूले हुए रहते हैं।

आटे को कवर करके रखें

पूरी का आटा गुथने के बाद उसे खुला न छोड़े उसे एकदम ढककर रखें नहीं तो यह फट भी सकती है। आटा गूंथने के बाद इसे आधा से एक घंटा तक ढक कर रख दें। इससे पूरी फूली और अच्छी बनती है।

लोई में तेल लगाएं

पूरी की लोई में तेल लगाकर ही बेलें। लोई में आटा लगाकर बेलने की गलती बिल्कुल न करें। ऐसा करने से पूरी फटने की गुंजाइस बढ़ जाती है।

पूरी तलने से पहले तेल को अच्छे से गर्म करें

जब भी पूरी तलने के लिए कढ़ाई में तेल निकालें तो उसे अच्छे से गर्म करें। तेल गर्म होने के बाद ही उसमें पूरी डालें ऐसे में पूरी में तेल भरने की गुंजाइस नहीं रहेगी। इसलिए बेले हुए पूरी को तेल में डालने से पहले तेल को अच्छे तरीके से गर्म करें।

मच्छरों को भगाने वाले पौधे लगाएं

मच्छर से बचने के लिए लोग घरो में ऑल आउट या मच्छर भगाने वाली अगरबत्ती लगाते हैं, लेकिन इन अगरबत्ती का धुआं हर दिन आप आपके शरीर में जाना ठीक नहीं है। अगर आपके घर में छोटे बच्चे हैं, तो उनकी सेहत के लिए यह बिल्कुल ठीक नहीं है। इसलिए आज के इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसे पौधों के बारे में बताने वाले हैं, जिनकी मदद से मच्छर आपके घर से दूर ही रहेंगे।

लैवेंडर का पौधा लगाएं

इस पौधे की गंध के पास कोई भी कीट नहीं फटकते हैं। इस पेड़ की पत्तियों से ऐसी महक आती है कि मच्छर या अन्य कोई कीड़े-मकोड़े भी इसके पास नहीं आते। ऐसा कहा जाता है कि इस पेड़ के पास आते ही मच्छर अपनी सूंघने की क्षमता खो देते हैं। इस पौधे को आप दिन में धूप वाले स्थान पर रखें, क्योंकि वहां पर यह अच्छी तरह से ग्रो कर पाते हैं, लेकिन रात में आप इन्हें अपने घर के आंगन में रख सकते हैं। इसके साथ ही आप इसे अपने घर के पास खिड़कियों के पास भी रख सकते हैं। क्योंकि यहां से मच्छर अधिक घर में प्रवेश करते हैं। इसके सिवा आप अपने घर के गेट पर इसे रख सकते हैं, क्योंकि जैसे ही आप शाम के समय घर का दरवाजा खोलते हैं, तो तुरंत मच्छर आपके घर में घुस जाते हैं। लेकिन इस पौधे को लगाने के बाद मच्छर आपके घर के द्वारा पर नहीं मंडराएंगे।

ध्यान रखें ये बातें- घर में पौधे को रखते समय ध्यान रखें कि इसमें अधिक पानी न डालें। ऐसा करने से मच्छर पनप सकते हैं।

रोजमैरी का पौधा

रोजमेरी का पौधा मच्छरों को भगाने में बहुत कारगर होता है। यह पौधा एक प्रकार की जड़ी-बूटी है, इसकी महक से मच्छर दूर भाग जाते हैं। यह मक्खियों और पतंगों को भी दूर भगाता है। यह पौधा गर्म और आर्द्र परिस्थितियों में सबसे अच्छा लगता है। आप इन पौधों को अपने गार्डन एरिया में रख सकते हैं। इसके सिवा आप रात होने के बाद अपने घर के आंगन में इसे रख सकते हैं, या फिर घर में किसी टेबल पर इसे रख सकते हैं। लेकिन आपको एक बात ध्यान रखना है कि सुबह होने पर इसे आप घर के बाहर कर दें। क्योंकि घर के बाहर ही ये पौधा अच्छे से ग्रो कर पाता है।

संक्षिप्त समाचार

छिंद चुरेला पुल के पास हुआ सड़क हादसा,, एक की मौत... 2 घायल

सारंगढ़-बिलाईगढ़ -(समय दर्शन) क्षेत्र में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा घटना में एक और व्यक्ति की दर्दनाक मौ/त हो गई। हादसा सारंगढ़ से बिलासपुर जाने वाली मार्ग ग्राम अचानकपाली (छिद चुरेला) के पास पुल के समीप हुआ है

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज रफ्तार और लापरवाही हादसे की प्रमुख वजह मानी जा रही है। अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौके पर एक कि मौत और 2 लोगो को गम्भीर चोटे आयी है बताया जा रहा मोटर साईकिल में तीन लोग सवार थे छिंद चुरेला पुल सकिरी होने से आये दिन दुर्घटना का कारण बना हुआ है हादसे के बाद अफरा-तफरी मच गई वही हादसे के बाद घायल व्यक्ति योको तत्काल ग्रामीणों की मदद से हॉस्पिटल पहुंचाया गया है

सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज जा रहा है । पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हादसे में प्रयुक्त वाहन को जब्त कर लिया गया है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद मृतक के परिजनों में शोक का माहौल है। वहीं स्थानीय नागरिकों ने संबंधित मार्ग पर लगातार हो रहे हादसों को लेकर प्रशासन से सुरक्षा उपाय बढ़ाने, गति नियंत्रण और संकेतक लगाने की मांग की है क्योंकि जहाँ यह हादसा हुआ वहां लगातार कई बार सडक हादसा हो चूका है और हादसों की वजह लपारवाही के साथ साथ वहां बने वर्षो पुराने छोटे पुल को भी माना जा रहा है

पिछली गर्मियों से सीख: इस बार पहले से होगी पानी की बेहतर व्यवस्था हो

दुर्ग। नगर पालिक निगम में आयोजित बैठक में सभापति श्याम शर्मा ने अपने पार्षद साथियों के साथ आयुक्त सुमित अग्रवाल से मुलाकात कर आगामी गर्मियों में पानी की समस्या से निपटने की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में वर्षा जल संचयन, जल स्त्रोतों की सफाई, जल संरक्षण और जल आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने पर विशेष जोर दिया गया। सभापति शर्मा ने कहा कि पिछले वर्ष गर्मियों के दौरान नागरिकों को पेयजल संकट झेलना पड़ा था। इसलिए इस बार पहले से ही तैयारी की जा रही है, ताकि आने वाले दो महीनों में पड़ने वाली भीषण गर्मी के दौरान शहरवासियों को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराया जा सके। बैठक में यह भी तय किया गया कि जन-जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को पानी का संयमित उपयोग, पुन: उपयोग और बर्बादी रोकने के लिए प्रेरित किया जाएगा। आयुक्त सुमित अग्रवाल ने बताया कि जल आपूर्ति एवं वितरण व्यवस्था को दुरुस्त करने के साथ-साथ वर्षा जल संचयन संरचनाओं को मजबूत किया जाएगा और तालाब-नदी सहित अन्य जलाशयों की नियमित सफाई व संरक्षण सुनिश्चित किया जाएगा। बैठक के दौरान शासन से बोरिंग खुदवाने और पाइपलाइन बिछाने की अनुमति से संबंधित प्रस्तावों पर भी करीब दो घंटे विस्तृत चर्चा हुई, ताकि जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त जल स्त्रोत उपलब्ध कराए जा सकें।बैठक एमआईसी शिव नायक,मनीष साहू,पार्षद संजय अग्रवाल,कमल देवांगन, गुलाब वर्मा,युवराज कुजाम,रामु सेन,मनीष कोठारी,गुलशन साहू,जितेंद्र ताम्रकर, ललित ढीमर,जीतू महोबिया,सविता साहू,सुरूचि उमरे,मनोज सोनी,लोकेश्वरी ठाकुर,सुरेश गुप्ता, गुड्डू यादव सहित अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहें।

आपत्ति-दावा निपटान के बाद मोर मकान-मोर आस की अंतिम सूची जारी, 24 हितग्राही हुए पात्र

दुर्ग/ नगर पालिक निगम।प्रधानमंत्री आवास योजना के घटक मोर मकान-मोर आस अंतर्गत प्राप्त आपत्तियों और दावों की विस्तृत जांच-परख एवं सुनवाई प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। इसके उपरांत पात्र और अपात्र हितग्राहियों की अंतिम सूची प्रकाशित कर दी गई है।

महात्मा गांधी विश्व विश्वविद्यालय में खेल सम्मेलन 2025/26 का शुभारंभ, 02 जनवरी को होगा समापान

पाटन । दुर्ग जिला अंतर्गत महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं उनकी विश्वविद्यालय सांकरा पाटन में विश्व विश्वविद्यालय खेल सम्मेलन 2025/26 का आयोजन हर्ष उल्लास के साथ किया है। प्रतियोगिता 02 जनवरी तक चलेगा।जिसका शुभारंभ आज 31 दिसंबर को दुर्ग लोकसभा के लोकप्रिय सांसद विजय बघेल के मुख्य अतिथि में संपन्न हुआ।सर्व प्रथम सम्मानित अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती और छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा अर्चना कर द्वीप प्रज्वलित कर अंतर क्षेत्रीय खेल कूद प्रतियोगित का शुभारंभ किया गया।

आपको बता दें अतिथियों की उपस्थिति में सभी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया गया। बच्चों के द्वारा सलामी दी गई।इस गौरवपूर्ण अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विजय बघेल सांसद दुर्ग। विशिष्ट अतिथि के रूप में दिलीप वासनिकर सेवानिवृत आईएएस आयुक्त विभागीय जांच छत्तीसगढ़ शासन, रवि

सिंगौर सरपंच ग्राम पंचायत सांकरा,पूर्व जिला पंचायत सदस्य हर्षा लोकमनी चंद्राकर,मंडल अध्यक्ष कमलेश चंद्राकर,नहर पालिका अध्यक्ष दयानन्द सोनकर,पूर्व मंडल अध्यक्ष लोकमनी चंद्राकर रहे।

कार्यक्रम के अध्यक्षता प्रो. आर आर सक्सेना कुलपति महात्मा गांधी उद्यान की एवं वानिकी विश्वविद्यालय दुर्ग ने किया।

स्वागत सम्मान डॉक्टर सेवन दास खूंटे कीड़ा आधिकारी ,डॉ अमित दीक्षित अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने किया । कार्यक्रम का संचालन डॉ नारायन साहू और डॉ सोनल तिवारी ने किया।

सासंद ने खेल सम्मलेन को संबोधित करते हुए कहा कि मैं भी एक खिलाड़ी रहा हूं सब बच्चे खेल भावना से खेले। खेलो इंडिया माननीय प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी का विजन है। अभी हाल में सासंद खेल महोत्सव का आयोजन गांव से लेकर विधान स्तर तक किया गया है।

इस अवसर पर महामंत्री कैलास यादव, सरपंच मोहन लोधी, राजू सोनकर,तुला राम सिंगौर, छोटू राम यादव, प्रदीप लोधी, विकेक कौशिक, हितेश साहू,पुनीत पटेल, तिहारू बघेल कामता प्रसाद सिंगौर, मुकुंद विश्वकर्मा सहित विश्व विद्यालय के सामस्त स्टॉप मौजुद रहे।

ऑनलाइन 24म7 टोकन सुविधा से आसान हुई धान खरीदी

3100 रुपये प्रति [illegible]टल समर्थन मूल्य और पारदर्शी व्यवस्था से धान विक्रय हुआ आसान

किसान हितैषी विष्णु का सुशासन - किसान श्री भीम

जांजगीर-चांपा/ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में संचालित समर्थन मूल्य एवं कृषक उन्नति योजना किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव की सशक्त मिसाल बन रही है। योजना के अंतर्गत 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से हो रही धान खरीदी, साथ ही धान खरीदी केंद्रों में की गई बेहतर, सरल और सुगम व्यवस्थाओं ने किसानों का भरोसा और आत्मविश्वास बढ़ाया है।

इसी कड़ी में जिले के ग्राम सुकली निवासी किसान श्री भीम गोंड़ की कहानी इसी सुशासन और किसान-हितैषी व्यवस्था की जीवंत मिसाल है। वर्षों की मेहनत, आधुनिक खेती के अनुभव और शासन की पारदर्शी प्रणाली का परिणाम रहा कि उन्होंने धान खरीदी केंद्र पेंड्री में 116 क्विंटल धान का सफलतापूर्वक विक्रय किया। किसान भीम गोंड़ बताते हैं कि इस वर्ष ऑनलाइन 24म7 टोकन व्यवस्था ने पूरी प्रक्रिया को आसान बना दिया। न तो भीड़ का सामना करना पड़ा, न ही लंबी कतारों में समय गंवाना पड़ा। तय समय पर केंद्र पहुँचते ही नमी परीक्षण, तौल और विक्रय की सभी प्रक्रियाएँ सहजता से पूर्ण हो गईं। समय पर भुगतान मिलने से उन्हें यह विश्वास हुआ कि अब किसान अपनी उपज पूरे आत्मसम्मान और निश्चिंतता के साथ बेच पा रहे हैं। किसान श्री भीम गोंड़ की सफलता यह सिद्ध करती है कि जब किसान की मेहनत और सुशासन की व्यवस्थाएँ साथ-साथ चलती हैं, तो खेती केवल आजीविका नहीं, बल्कि सम्मानजनक आय और आत्मनिर्भरता का माध्यम बनती है।

हथनेवरा 15 दिवसीय ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण संपन्न

जांजगीर-चांपा 31 दिसम्बर 2025/ कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन में महिलाओं, बालिकाओं में कौशल विकास करने एवं आर्थिक रूप से सक्षम बनाने तथा समान अवसर एवं भागीदारी प्रत्येक बिटिया हो सक्षम थीम पर विकासखण्ड बम्हनीडीह अंतर्गत ग्राम-हथनेवरा आंगनबाड़ी केन्द्र 04 में 15 दिवसीय ब्युटी पार्लर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अनिता अग्रवाल ने बताया कि ब्युटी पार्लर प्रशिक्षक सुश्री अंजली अग्रवाल एवं साथी ऐश्वर्या, लैक्मे अकैडमी, बिलासपुर के द्वारा प्रशिक्षार्थी महिलाओं एवं किशोरी बालिकाओं निरंतर 15 दिवस सौंदर्य सेवाओं के अनेक पहलुओं के अभ्यास की परीक्षा ली गई। जिसमें लिखित एवं मौखिक प्रश्न पूछे गए, प्रशिक्षण की सार्थकता सिद्ध करने प्रत्येक प्रशिक्षार्थी से मौखिक परीक्षा में-स्कीन टोन पहचान करना, मेकअप, थ्रेड, कलर कॉम्बिनेशन बनाना, वैक्सिंग, आदि पूछा गया तथा वैक्सिंग, हेयर कटिंग, अपरलिप्स, थ्रेडिंग, मेकअप प्रोसेस आदि पर प्रायोगिक परीक्षा ली गई। परीक्षा में सभी प्रशिक्षार्थियों द्वारा उत्कृष्ठ प्रदर्शन किया गया जिसके उपरांत सभी प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अनिता अग्रवाल के द्वारा सभी प्रशिक्षार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उत्साह वर्धन किया गया एवं आने वाले रामय में अपने सीखे कौशल को एक प्लेटफार्म देने और आर्थिक रूप से सक्षम बनने के लिए विभाग की महिला कोष एवं ऋण योजना के अंतर्गत प्रावधानों से अवगत कराते हुए आगे बढ़ने हेतु आंगनबाड़ी केन्द्र में कार्यकर्ता एवं सुपरवाइजरों से संपर्क करने की जानकारी दी गई। इस दौरान परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना बम्हनीडीह श्रीमती ऋचा तिवारी, पर्यवेक्षक श्रीमती रजनी साहू, केन्द्र प्रशासक, सखी वन स्टॉप सेंटर सुश्री एच. निशा खान, सरपंच श्री दुष्यंत सिंह सहित संबधित अधिकारी कर्मचारी, महिलाएं एवं किशोरी बालिकाएं लाभान्वित हुए।

खनन के खिलाफ55 गांवों का ऐतिहासिक एलान : गांवों में प्रवेश पर प्रतिबंध, जनआंदोलन ने लिया नया मोड़

छुईखदान (समय दर्श न)। छुईखदान विकासखंड के दनिया-अतरिया परिक्षेत्र में खनन के खिलाफ ग्रामीणों का आक्रोश अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। इस क्षेत्र के 55 गांवों के किसानों और ग्रामीणों ने एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। उन्होंने खनन समर्थक नेताओं और अधिकारियों के गांव में प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का ऐलान किया है। यह निर्णय 20 दिसंबर को आयोजित किसान महापंचायत में सर्वसम्मति से लिया गया था, जिसे अब गांव-गांव में बैनरों और पोस्टरों के माध्यम से सार्वजनिक किया जा चुका है।

ग्रामीणों का कहना है कि प्रस्तावित चुना पत्थर खनन और श्री सीमेंट फैक्ट्री परियोजना उनके जीवन, खेती, जलस्रोत और पर्यावरण के लिए खतरे का कारण बन सकती है। इसलिए, वे किसी भी हालत में इस परियोजना को स्वीकार नहीं करेंगे। यह केवल खनन का विरोध नहीं, बल्कि हमारी जमीनए पानी और भविष्य की लड़ाई है।

ग्रामीणों का मानना है कि यदि खनन शुरू हुआ, तो सबसे पहले कृषि भूमि, भूमिगत जल, नदियां-नाले और जंगल प्रभावित होंगे। इससे न केवल वर्तमान पीढ़ी की आजीविका पर संकट आएगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य भी अंधकारमय हो जाएगा। इस चिंताजनक स्थिति ने 55 गांवों को एक मंच पर लाकर खड़ा कर दिया है, जहां अब यह संघर्ष केवल विरोध तक सीमित नहीं, बल्कि अपने अधिकारों की निर्णायक लड़ाई बन चुका है।

इस आंदोलन में शामिल गांवों में संडी, पंडरिया, विचारपुर, भरदागोड़, बुंदेली, हनईबन, जगमड़वा, रैमड़वा, मरतकठेरा, सीताडबरी,

मैंहर, जोम, उदान, तेंदुभाठा, माणिकचौरी, नवागांव, सुराडबरी, चारभाठा, दनिया, कोटरा, कुकुरमुड़ा, भुरभूसी, खैरी, गोकना, बागुर, पत्थर्रा, बिरनपुर, धोधा, नवापारा, काशीटोला, कालेगोंदी, मंजगांव, गर्रा, जंगलपुर सहित कुल 55 गांव शामिल हैं। इन गांवों के किसानों ने स्पष्ट कर दिया है कि अब कोई भी गांव अकेला नहीं लड़ेगा, बल्कि पूरा अंचल एकजुट होकर खनन के खिलाफ खड़ा रहेगा।

ग्रामीणों ने जिले के दो वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि ये अधिकारी निजी कंपनी की प्रेस वार्ता में शामिल होकर कंपनी के पक्ष में बयान दे रहे हैं, जो प्रशासनिक मर्यादाओं के खिलाफहै। ग्रामीणों के अनुसार यह प्रशासनिक शक्ति का दुरुपयोग है और इससे किसानों का प्रशासन पर से भरोसा डगमगा रहा है।

खनन के खिलाफ यह आंदोलन पिछले दो महीनों से लगातार जारी है। 6 दिसंबर को छुईखदान में आयोजित ट्रैक्टर रैली और विशाल विरोध प्रदर्शन ने प्रशासन को हिला कर रख दिया, जिसके बाद 11 दिसंबर को प्रस्तावित श्री सीमेंट की जनसुनवाई रद्द करनी पड़ी। अब गांव में प्रवेश निषेध का फैसला आंदोलन को और अधिक धार देने वाला कदम माना जा रहा है।

ग्रामीणों की मांग बिल्कुल स्पष्ट है-प्रस्तावित चुना पत्थर खनन और श्री सीमेंट फैक्टरी परियोजना को तत्काल और स्थायी रूप से रद्द किया जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों को नजरअंदाज किया गया, तो आंदोलन को और व्यापक और उग्र रूप दिया जाएगा।

लुकेश्वरी जंघेल, अध्यक्ष-किसान अधिकार संघर्ष समिति ने कहा, यह लड़ाई केवल खनन के खिलाफनहीं, बल्कि हमारे अस्तित्व की लड़ाई है। किसान अपनी जमीन, पानी और आजीविका बचाने के लिए पूरी मजबूती से खड़े हैं।

गिरवर जंघेल, संरक्षक-किसान अधिकार संघर्ष समिति ने स्पष्ट शब्दों में कहा, हम अपने गांवों की मिट्टी और पानी की रक्षा कर रहे हैं। हमारे बच्चों का भविष्य सुरक्षित रहे, इसलिए खनन का विरोध कर रहे हैं। यह संघर्ष अब पीछे नहीं हटेगा।

इस जनआंदोलन को जिला साहू समाज, जिला लोधी समाज, जिला कोसरिया यादव महासभा, 24 जाति ओबीसी महासंघ (खैरागढ़-छुईखदान-गंडई) सहित कई सामाजिक संगठनों का खुला समर्थन मिल रहा है। इस सामाजिक एकजुटता ने दनिया-अतरिया-उदयपुर-हनईबन परिक्षेत्र के किसानों में नया आत्मविश्वास भर दिया है।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है-क्या जिला प्रशासन 55 गांवों की एकजुट आवाज का सम्मान करेगा? या फिर खनन समर्थक दबावों के आगे झुककर ग्रामीणों के हितों की अनदेखी करेगा? इस सवाल का जवाब आने वाले दिनों में मिलेगा, लेकिन इतना तय है कि छुईखदान क्षेत्र के 55 गांवों की यह एकजुटता इतिहास में दर्ज होने जा रही है। खनन के खिलाफ यह आंदोलन अब केवल स्थानीय नहीं, बल्कि जनआंदोलन का स्वरूप ले चुका है।

जिले में सड़क सुरक्षा माह में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम का होगा आयोजन

सड़क सुरक्षा माह में विभिन्न विकासखण्डों में लर्निंग लाईसेंस षिविर का होगा आयोजन

गरियाबंद (समय दर्शन)। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं आम नागरिकों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से गरियाबंद जिले में सड़क सुरक्षा माह 2026 का आयोजन 1 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 तक किया जा रहा है। इस अवधि में जिला प्रशासन एवं परिवहन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विविध जन-जागरूकता एवं सेवामूलक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत हेलमेट रैली, लर्निंग लाइसेंस शिविर,एचएसआरपी (हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट) शिविर,विद्यालय एवं महाविद्यालयों में वाद-विवाद प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, स्कूल बसों की सघन जांच सहित अन्य जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य नागरिकों को यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित करना एवं सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना है। इसी क्रम में जिले के विभिन्न विकासखंडों में लर्निंग लाइसेंस शिविरों का आयोजन किया जाना निर्धारित है,जिसमें विकासखंड गरियाबंद में 1 से 2 जनवरी 2026 स्थान यातायात (पुलिस) कार्यालय, गरियाबंद विकासखंड देवभोग 5 से 6 जनवरी, स्थान जनपद पंचायत सभाकक्ष,देवभोग, विकासखंड फिंगेश्वर 12 से 13 जनवरी 2026, स्थान नया बस स्टैंड,यात्री प्रतीक्षालय,फिंगेश्वर विकासखंड मैनपुर 19 से 20 जनवरी 2026, स्थान तहसील कार्यालय, गौरघाट विकासखंड छुरा 27 से 28 जनवरी 2026 स्थान गजानंद प्रसाद देवांगन शासकीय हाई स्कूल,छुरा में कार्यालयीन समय सुबह 10 से शाम 5 बजे तक आयोजित होगी।जिला परिवहन अधिकारी ने जिले के समस्त नागरिकों से अपील की है कि वे सड़क सुरक्षा माह के दौरान आयोजित कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता करें,यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करें तथा सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

खबर-खास

हाथी के हमले से एक घायल ,जिला अस्पताल में उपचार जारी

गरियाबंद। नवागढ़ परिक्षेत्र के दर्रिपारा सर्कल में हाथी के हमले से एक व्यक्ति घायल हो गया जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है।घटना के विषय में मिली जानकारी के अनुसार गरियाबंद वन मंडल के नवागढ़ परिक्षेत्र के दर्रिपारा सर्कल में मंगलवार के शाम को ग्राम पेंड्रा निवासी 60 वर्षीय सोमनाथ सोरी पिता श्रीराम सोरी जो कि ग्राम पटेल भी है वो जलाऊ लकड़ी के लिए पथरा झोर,नवागांव के जंगल में गया था उसी दौरान नजदीक एक हाथ चारा खा रहा था,जो कि सोमनाथ सोरी की ओर दौड़कर आया और सोमनाथ को उठाकर पटक दिया जिसमें गनीमत यह रहा कि उक्त व्यक्ति को हाथी रेत में पटका जिसके चलते सोमनाथ के दोनों पैर,बाया कंधा,सिर और अंडकोष में चोट लगी।वही सोमनाथ जो कि एक डंडा पकड़ा था उससे हाथी को मारते हुए हल्ला मचाया जिससे हाथी जंगल की ओर भाग गया।वही घायल व्यक्ति बड़ी मुश्किल से उठते बैठते ग्राम नवागांव तक पहुंचा तब ग्रामीणों के द्वारा वन विभाग को इसकी सूचना दिए और घायल व्यक्ति को जिला अस्पताल लेकर आए और भर्ती कराया गया।वही घायल व्यक्ति के परिजनों ने बताया कि समाचार लिखे जाने तक चौबीस घंटे बीत चुके है फिरभी प्राथमिक उपचार के लिए वन विभाग द्वारा घायल व्यक्ति को राशि नहीं दिया गया है।जबकि जंगली जानवर के द्वारा घायल करने से सहायता राशि तत्काल दिया जाता है।इस विषय में सहायक परिक्षेत्र अधिकारी मरकाम ने बताया कि घायल व्यक्ति शिकार करने जंगल गया था क्योंकि मौके पर फंदा पाया गया है,उसे उपचार के लिए राशि दिया जायेगा लेकिन दिए नहीं है।

सशक्त ऐप के पब्लिक मॉड्यूल का शुभारंभ, अब आम नागरिक भी बनेंगे पुलिस के साझेदार

भिलाई। पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज दुर्ग राम गोपाल गर्ग द्वारा बेहतर पुलिसिंग एवं पुलिस-पब्लिक पार्टनरशिप को सशक्त बनाने के उद्देश्य से सशक्त ऐप के पब्लिक मॉड्यूल का शुभारंभ किया गया। यह शुभारंभ 30 दिसंबर 2025 को भिलाई ब्रांच ढ्ढष्ट्ढ के सभागार कक्ष, सिविक सेंटर भिलाई में आयोजित कार्यक्रम में किया गया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा दिसंबर 2024 में प्रदेशभर में सशक्त ऐप का शुभारंभ किया गया था। यह ऐप चोरी हुए वाहनों का एकीकृत (एकल) डेटाबेस है, जिसके माध्यम से पुलिस अधिकारी पेट्रोलिंग एवं नाकेबंदी के दौरान संदिग्ध वाहनों की जांच कर मात्र एक क्लिक में यह जानकारी प्राप्त कर लेते थे कि वाहन चोरी का है या नहीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस महानिरीक्षक राम गोपाल गर्ग ने बताया कि सशक्त ऐप की सफलता को देखते हुए इसे आम जनता के लिए भी सुगम बनाने के सुझाव प्राप्त हुए थे। उसी क्रम में अब सशक्त ऐप का पब्लिक मॉड्यूल शुरू किया जा रहा है, जिससे आम नागरिक भी इस अभियान में सहभागी बन सकेंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल भी उपस्थित रहे। उन्होंने इसे आमजन की पुलिस कार्य में सहभागिता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। सशक्त ऐप के पब्लिक मॉड्यूल के जारी होने से अब आम नागरिक अपने मोबाइल फोन पर किसी भी वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर डालकर एक क्लिक में यह जांच कर सकेंगे कि वाहन चोरी का है या संदिग्ध। साथ ही, ऐसे वाहनों की सूचना सीधे पुलिस अधिकारियों को दी जा सकेगी, जिससे वाहन चोरी के मामलों में त्वरित कार्रवाई और चोरी हुए वाहनों की बरामदगी और अधिक प्रभावी होगी। स्मार्ट पुलिसिंग को बढ़ावा देते हुए पुलिस महानिरीक्षक गर्ग ने बताया कि सशक्त ऐप के माध्यम से दुर्ग रेंज में पिछले एक वर्ष में पुलिस जवानों द्वारा 150 से अधिक चोरी के वाहनों की सफलतापूर्वक बरामदगी की गई है। अब पब्लिक मॉड्यूल के माध्यम से दुर्ग रेंज के लगभग 40 लाख नागरिक भी इस अभियान में सहभागी बन सकेंगे, जिससे वाहन चोरी पर और अधिक प्रभावी नियंत्रण संभव होगा। सशक्त ऐप को डाउनलोड करने के लिए प्ले स्टोर पर सशक्त सीजी पुलिस सर्च करना होगा। ऐप डाउनलोड कर बेसिक जानकारी भरकर रजिस्ट्रेशन करने के बाद लॉगिन आईडी एवं पासवर्ड के माध्यम से उपयोग किया जा सकता है। मुख्य पृष्ठ पर वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर डालकर चोरी अथवा संदिग्ध वाहन की जानकारी प्राप्त कर नजदीकी थाने से संपर्क किया जा सकता है। इस अवसर पर सशक्त ऐप के विकास एवं सफल क्रियान्वयन में योगदान देने वाली टीम की सराहना करते हुए पुलिस महानिरीक्षक द्वारा सभी को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के पश्चात पत्रकारों से चर्चा में बताया गया कि यदि यह नवाचार दुर्ग रेंज में सफल रहता है, तो इसे पूरे प्रदेश में लागू करने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ आर्मी पब्लिक फाउंडेशन के जवान, कल्याणी नशा मुक्ति केंद्र, चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी, सीए भवन के अधिकारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर सुखनंदन राठौर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अभिषेक झा सहित दुर्ग रेंज के राजपत्रित अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जिला प्रशासन के पहल पर 5 बंधक श्रमिक व 7 बच्चे विमुक्त

देवभोग क्षेत्र से बंधक श्रमिक व बच्चे मुक्त, जिला प्रशासन की कार्रवाई

गरियाबंद (समय दर्शन)। ज़िले के देवभोग क्षेत्र से 10 से 12 बंधक श्रमिकों तथा उनके बच्चों को जिला प्रशासन द्वारा संयुक्त कार्रवाई कर मुक्त कराया गया। श्रमिकों को तेलंगाना राज्य के खम्मम ज़िले के एक ईंट भट्ठे में बंधक बनाकर रखा गया था।कलेक्टर बीएस उइके के नेतृत्व में एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक पाण्डेय के मार्गदर्शन में गठित दल में पुलिस विभाग महिला एवं बाल विकास विभाग, श्रम विभाग तथा राज्य विभाग के अधिकारी शामिल रहे।दल द्वारा 28 दिसंबर को मौके पर पहुँचकर श्रमिकों को सुरक्षित रूप से मुक्त कराया गया। मुक्त कराए गए परिवारों के 7 बच्चों को भी जिला मुख्यालय वापस लाया गया।

जिला बाल संरक्षण समिति द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया तथा उन्हें अस्थायी आवास एवं भोजन की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई।बच्चों व अभिभावकों की काउंसलिंग भी की गई।कार्रवाई में श्रम विभाग के अधिकारी,पुलिस टीम तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।जिला बाल संरक्षण अधिकारी अनिल द्विवेदी ने श्रमिकों एवं बच्चों की सुरक्षित वापसी की पुष्टि करते हुए कहा कि पुनर्वास एवं सहायता संबंधी आवश्यक कार्यवाई जारी है।इस दौरान रेस्क्यु दल में श्रम निरीक्षक मनीष बंजारे डीसीपीयू महिला एवं बाल विकास गोपाल सिंह कंवर,श्रम कल्याण निरीक्षक पुणानंद साहू, राजस्व अधिकारी अजय देवांगन, प्रधान आरक्षक करम जांगड़े एवं विजय मिश्रा की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

PM-JANMAN के तहत छत्तीसगढ़ को मिली 57 मोबाइल मेडिकल यूनिट्स की सौगात

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ, आदिवासी अंचलों तक पहुँचेगी डोर-स्टेप स्वास्थ्य सेवा

रायपुर। प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (PM-JANMAN) के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में 57 अत्याधुनिक मोबाइल मेडिकल यूनिट्स (MMUs) का राज्य-स्तरीय भव्य शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में इन मोबाइल यूनिट्स को हरी झंडी दिखाकर 18 आदिवासी बहुल जिलों के लिए रवाना किया।

यह परियोजना छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के मार्गदर्शन में संचालित की जा रही है, जिसका उद्देश्य विशेष रूप से संवेदनशील जनजातीय समूह (PVTG) बहुल, दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को नि:शुल्क और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना है। परियोजना का संचालन धनुष हेल्थकेयर सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है, जो तकनीक आधारित और परिणामोन्मुख स्वास्थ्य सेवा मॉडल के माध्यम से आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करेगा।

मुख्यमंत्री बोले— यह केवल वाहन नहीं, सेवा का संकल्प है- मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि यह छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक दिन है। वर्षों से जिन आदिवासी अंचलों तक स्वास्थ्य सेवाएँ नहीं पहुँच पा रही थीं, अब सरकार स्वयं उनके द्वार तक पहुँच रही है। मोबाइल मेडिकल यूनिट्स सेवा, संवेदनशीलता और समावेशी विकास का प्रतीक हैं।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री अरुण साव एवं विजय शर्मा, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, मंत्रीगण, वरिष्ठ अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

18 जिलों में मिलेगी सुविधा- मोबाइल मेडिकल यूनिट्स कांकेर, कोंडागांव, नारायणपुर, बिलासपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, कोरबा, मुंगेली, रायगढ़, कबीरधाम, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, बलौदा बाजार, धमतरी, गरियाबंद, महासमुंद, बलरामपुर, जशपुर, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर एवं सरगुजा जिलों में सेवाएँ देंगी।

क्या-क्या सुविधाएँ मिलेंगी- इन यूनिट्स में डॉक्टर, नर्स, लैब टेक्नीशियन की टीम के साथ मलेरिया, टीबी, सिकल सेल, एनीमिया, मधुमेह व बीपी की जाँच, मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाएँ, टीकाकरण, नि:शुल्क दवाइयाँ तथा टेलीमेडिसिन के माध्यम से विशेषज्ञ परामर्श की सुविधा होगी। साथ ही आयुष्मान भारत डिजिटल हेल्थ मिशन के तहत डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड भी बनाए जाएंगे।

18 लाख से अधिक लोगों को मिलेगा लाभ- इस योजना से प्रतिदिन लगभग 5 हजार मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएँ मिलेंगी और सालाना 18 लाख से अधिक नागरिक लाभान्वित होंगे। इससे आदिवासी अंचलों में मातृ-शिशु मृत्यु दर में कमी, गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान और इलाज संभव हो सकेगा।

मुख्यमंत्री सिरकट्टी में 7 जनवरी को करेंगे नवनिर्मित श्रीरामजानकी मंदिर में धर्मध्वजा की स्थापना

गरियाबंद। चतुर्भुज सिरकट्टी पावन धाम स्थित नव निर्मित भव्य श्रीरामजानकी मंदिर में 51 कुंडीय श्रीराम चरित मानस महायज्ञ का भव्य आयोजन 6 से 12 जनवरी तक किया जा रहा है। इसी क्रम में 7 जनवरी को दोपहर 12 बजे धर्मध्वजा स्थापना एवं कलश पूजन का पावन कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर नवनिर्मित मंदिर में धर्मध्वज की स्थापना करेंगे।

कलेक्टर बीएस उईके,जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर,पुलिस अधीक्षक वेद व्रत सिरमौर,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जितेंद्र चंद्राकर,एसडीपीओ सुश्री निशा सिंहा ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया इस दौरान पार्किंग व्यवस्था,हेलीपेड निर्माण स्थल निरीक्षण एवं चयन,मेले की तैयारी,सुरक्षात्मक दृष्टि से दुकानों का आबंटन,आगंतुकों के आवाजाही का नियंत्रण,भंडारा,गौशाला सहित मंचीय स्थल का जायजा लिया ।

यह मंदिर हजारों श्रद्धालुओं के दान दाताओं के फल स्वरूप 10 सालों में निर्मित हुई है जो कि अयोध्या के राम मंदिर के तर्ज पर बनाया गया है जिसमें लगभग 9 करोड़ रु की लागत से राजस्थान के कारीगर तैयार किए है।इस धार्मिक अनुष्ठान में अनेक आमंत्रित संत-महापुरुषों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी,जिनमें संत श्री 108 श्री रामगोपाल दास जी महाराज (देवरघटा, शिवरीनारायण), पूज्य संत श्री 108 श्री महंत सरजू शरण महाराज (राघवेन्द्र आश्रम,अयोध्या),पूज्य संत रामनारायण शरण महाराज (अयोध्या) तथा पूज्य संत उदयनाथ बाबा महाराज (कांडशर आश्रम, देवभोग) प्रमुख हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री अरुण साव करेंगे।वहीं आत्मीय अतिथि के रूप में मंत्री गुरु खुशवंत साहेब,महासमुंद लोकसभा सांसद रूपकुमारी चौधरी,राजिम विधायक रोहित साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।आयोजनकर्ता एवं आश्रम के मुख्य पीठाधीश महामण्डलेश्वर संत गोवर्धन शरण व्यास, महंत सिरकट्टी आश्रम कुटेना एवं आश्रम परिवार हैं।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से इस पावन अवसर पर सपरिवार उपस्थित होकर धर्मलाभ ले सकते है।

कमलेश राव, चेयरपर्सन - इंश्योरेंस अवेयरनेस कमेटी (IAC-Life) का दृष्टिकोण

वर्ष 2025 भारतीय बीमा क्षेत्र में कुछ ऐसे लैंडमार्क ग्राहक-केंद्रित सुधारों का साक्षी रहा, जो जीवन बीमा को सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा का मुख्य आधार बनाने में बहुत बड़ी भूमिका निभाएंगे। इस वर्ष की शुरुआत सरेंडर वैल्यू नियमों में हुए सकारात्मक बदलावों से हुई, जिसके बाद जीएसटी छूट और बीमा सुगम पोर्टल की शुरुआत जैसे कदमों ने इस क्षेत्र के विकास पथ को और अधिक सुदृढ़ बनाया है। वर्तमान में जीवन बीमा की मांग मुख्य रूप से सुरक्षा, एन्यूटी और बचत उत्पादों के इर्द-गिर्द केंद्रित है। जैसे-जैसे भारतीय परिवार अपनी वित्तीय प्राथमिकताओं में सुरक्षा और रिटायरमेंट समाधानों को ऊपर रख रहे हैं, वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने में इन उत्पादों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होती जाएगी। इसी का परिणाम है कि वर्ष 2026 में हम बीमा कंपनियों द्वारा और भी सशक्त और नवोन्मेषी उत्पाद पेश किए जाने की उम्मीद कर सकते हैं।

महासमुंद पुलिस द्वारा अवैध शराब निर्माण,परिवहन एवं बिक्री करने वालो के विरूद्ध चलाया गया अभियान

अभियान के तहत कुल 842 लीटर 920 एम.एल कुल कीमती 1.92 हजार शराब किया गया जब्त

भारी मात्रा में महुआ लहान किया गया नष्ट एवं शराब बनाने के बर्तन किए गए जब्त

सरायपाली नृपनिधी पाण्डेय (समय दर्शन) – जिले थाना/चौकी प्रभारियों को अवैध शराब निर्माण, बिक्री एवं परिवहन करने वाले के उपर कार्यवाही करने के लिये निर्देशित किया था जिसके तहत् समस्त थाना/चौकी प्रभारीयों व सायबर सेल महासमुन्द की टीम द्वारा अपने क्षेत्र मे लगातार गस्त पेट्रोलिंग कर मुखबिरो को सजग कर अवैध शराब निर्माण मादक पदार्थ परिवहन पर कार्यवाही किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना महासमुंद में 04 प्रकरण में 05 व्यक्ति रोहित यादव पिता सुभाष यादव उम्र 24 वर्ष पता नयापारा महासमुन्द, महेन्द्र कोसले, धर्मेन्द्र कासले पता महासमुन्द, यश सोनटके पिता गंगासागर उम्र 19 वर्ष ग्राम बेमचा, समीर निषाद पिता संतोष निषाद उम्र 19 साल पता वार्ड नं.11 नवापारा महासमुन्द से कुल 116.800 लीटर महुआ, प्लेन देशी और अंग्रेजी शराब जप्त किया गया। थाना खल्लारी में 02 प्रकरण में 02 व्यक्ति हीरा ठाकुर पिता दीनबंधु उम्र 45 साल ग्राम खम्हरिया, नवाडीह, दीपक ठाकुर पिता विश्राम उम्र 19 साल पता लालपुर बागबाहरा के कब्ज से कुल 13.080 लीटर देशी महुआ और देशी शराब जप्त किया गया है। थाना बागबाहरा में 01 प्रकरण 01 व्यक्ति यशवंत सोनवानी पिता विष्णु सोनवानी उम्र 36 वर्ष पता बाजार पारा बागबाहरा के कब्जे से 25 लीटर महुआ शराब जप्त किया है। थाना बसना में 06 प्रकरण 06 व्यक्ति विनोद साहू पिता शशी साहू उम 34 वर्ष ग्राम बोहारपार, नरोत्तम रौतिया पिता बनमाली उम्र 42 वर्ष ग्राम जगदीशपुर, विजेन्द्र जांगड़े पिता शिवनारायण उम्र 38 वर्ष ग्राम केवंटापाली, सुकलाल चैहान पिता सहानी चैहान उम्र 35 वर्ष ग्राम बेलटीकरी चैंकी भंवरपुर, बसना, योगेश रात्रे पिता तेजराम उम्र 19 साल पता वार्ड नं. 01 बसना, हरिश ओगरे पिता अशोक ओगरे उम्र 19 साल पता वार्ड नं. 02 बसना के कब्जे से कुल 192 लीटर महुआ शराब जप्त किया गया। थाना कोमाखान में 02 प्रकरण में 02 व्यक्ति तजेश्वर टंडन पिता संतोष उम्र 19 साल ग्राम सुवरमाल, रामलाल मांझी पिता बिश्वनाथ मांझी उम्र 36 साल ग्राम सरगीडीह, खैरटकला चैंकी टुहलू से कुल 50 लीटर महुआ शराब जप्त किया गया। थाना पिथौरा में 03 प्रकरण 05 व्यक्ति सुरेश सेन पिता किशन सेन उम्र 45 वर्ष ग्राम सलडीही, 1. झाडुराम सोनवानी पिता कौशल उम्र 45 साल 2. देवेन्द्र सोनवानी पिता झाडुराम उम्र 20 साल 3. हेमंत सानवानी पिता झाडुराम उम्र 22 साल ग्राम मेमराडीह, भुषण साहू पिता निर्मल साहू उम्र 38 वर्ष ग्राम भोकलूडीह . 2 अन्य, चुम्मन उर्फ छोटु मिरी पिता दुकालू उम्र 20 साल ग्राम सोनासिल्ली से कुल 64 लीटर महुआ शराब जप्त किया गया। थाना सिंघोडा में 03 प्रकरण में 03 व्यक्ति गुलापी बरिहा पति प्रतिबोध बरिहा उम्र 40 वर्ष ग्राम डोंगारक्शा, हीरालाल सागर पिता स्व. भुरसुबो सागर उम्र 45 साल ग्राम कलेंण्डा, कुशल सिंह पिता अतुल प्रताप सिंह उम्र 29 वर्ष पता वार्ड नं. 14 उरई जिला जलौन उ.प्रदेश के कब्जे से कुल 97 लीटर को जप्त किया गया। थाना पटेवा में 01 प्रकरण 01 व्यक्ति डालेश्वर टंडन पिता नाथूराम उम्र 29 साल ग्राम नरतोरी से कुल 9 लीटर प्लेन शराब जप्त किया गया। थाना सरायपाली में 09 प्रकरण 09 व्यक्ति बैशाखु अजय पिता आनंद अजय उम्र 32 वर्ष ग्राम बालसी, परिक्षित चैहान पिता तिरिथ चैहान उम्र 48 वर्ष ग्राम जोगीडीपा सरायपाली, नरेश चैहान पिता जीवर्धन चैहान उम्र 36 साल ग्राम बिजातीपाली, विजय नंद पिता मार्तण्ड नंद उम्र 37 साल ग्राम जोगनीपाली, गुलादास मानिकपुरी पिता स्व. सेवादास मानिकपुरी उम्र 47 साल ग्राम नूनपानी, सरायपाली, नेताराम भारती पिता स्व. धनीराम उम्र 62 साल ग्राम नूनपानी, देवप्रकाश चैहान पिता राजेन्द्र चैहान उम्र 21 साल ग्राम बाराडोली के कब्जे से कुल 121.500 लीटर महुआ, देशी प्लेन एवं अंग्रेजी शराब जप्त किया गया। थाना सांकरा में 02 प्रकरण 02 व्यक्ति दयाराम पटेल पिता गोपीराम उम्र 36 साल ग्राम अंसुला, सांकरा, तेजु कुमार खुंटे पिता डमरू उम्र 26 वर्ष ग्राम बनडबरी, सांकरा के कब्जे से 130 लीटर महुआ शराब जप्त किया गया। थाना तुमगांव में 02 प्रकरण 03 व्यक्ति 1. संतोष यादव पिता स्व. कन्हैया यादव उम्र 40 वर्ष 02. अनिष ध्रुव पिता गणेशराम उम्र 25 वर्ष पता गढ़सिवनी, मनहरण कुर्रे पिता बुधारू कुर्रे उम्र 21 वर्ष ग्राम रसोटा थाना खरोरा जिला रायपुर के कब्जे 18.540 लीटर देशी प्लेन अंग्रेजी शराब जप्त किया गया। महासमुंद पुलिस के द्वारा सभी व्यक्तियों के विरूध्द आबकारी एक्ट के तहत् प्रकरण दर्ज किया जाकर वैधानिक कार्यवाही की गई है। यह सम्पूर्ण कार्यवाही महासमुन्द पुलिस के द्वारा की गई है।

संक्षिप्त-खबर

राजपूत क्षत्रिय महासभा की युवा मंडल कार्यकारिणी गठित

राजनांदगांव। राजपूत क्षत्रिय महासभा राजनांदगांव की युवा मंडल कार्यकारिणी का गठन किया गया। यह गठन प्रदेश अध्यक्ष अनुराग सिंह के मार्गदर्शन में जिला अध्यक्ष विवेक सिंह राजपूत द्वारा किया गया। घोषित कार्यकारिणी में चंदन राजपूत को वरिष्ठ उपाध्याय, सुधीर सिंह को महामंत्री, यशवंत ठाकुर को उपाध्यक्ष, जयराज सिंह गहरवार को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं जयंत राजपूत को सांस्कृतिक प्रभारी तथा प्रिंस राजपूत को प्रचार सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष विवेक सिंह राजपूत ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि युवा मंडल समाज को संगठित करने, सामाजिक गतिविधियों को गति देने और युवाओं को सकारात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने आशा जताई कि नई कार्यकारिणी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ महासभा के उद्देश्यों को आगे बढ़ाएगी।

दोपहर दर्द से जूझते मरीज के लिए विधायक ब्यास कश्यप बने जीवन की उम्मीद

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। आज दोपहर जिला अस्पताल के एक वार्ड में भर्ती मरीज जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा था। नैला निवासी आलोक परमहंस को दुर्लभ- नेगेटिव रक्त की नितांत आवश्यकता थी। पिछले दो दिनों से परिजन लगातार प्रयास कर रहे थे, लेकिन कहीं भी- नेगेटिव रक्त उपलब्ध नहीं हो पा रहा था। इसी दौरान जांजगीर जिला अस्पताल में पदस्थ चिकित्सक डॉ. लोकेंद्र कश्यप ने फोन पर यह जानकारी अपने पिता, जांजगीर-चांपा विधायक ब्यास कश्यप को दी। संयोग से विधायक का रक्त समूह भी- नेगेटिव है। सूचना मिलते ही उन्होंने बिना किसी देरी के आज दोपहर स्वयं जिला अस्पताल पहुंचकर मरीज के लिए रक्तदान किया।बिना किसी औपचारिकता और प्रचार के किया गया यह रक्तदान मरीज के लिए जीवन की नई उम्मीद बन गया। विधायक ब्यास कश्यप ने जनता के बीच किया गया कतरा-कतरा लौटाने का वादा एक बार फिर अपने कर्म से निभाया। उनका यह मानवीय कदम संवेदनशील जनप्रतिनिधित्व की सशक्त मिसाल बन गया।विधायक के इस कार्य से अस्पताल परिसर में मौजूद मरीजों और उनके परिजनों की आंखें नम हो गईं। सभी ने इसे सच्चे जनसेवक की पहचान बताते हुए सराहना की। रक्तदान के बाद विधायक ब्यास कश्यप ने कहा— मैं ईश्वर से मरीज के शीघ्र स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना करता हूं। जिले की देवतुल्य जनता से आग्रह है कि समय-समय पर अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान करें, ताकि जरूरतमंदों को समय पर रक्त उपलब्ध हो सके।

पहली बार मनाई जाएगी राजिम जयंती, साहू समाज में उत्साह का माहौल

8 जनवरी को भव्य राजिम भक्तिन माता जयंती, परिक्षेत्रीय साहू संघ अरसनारा जुटा तैयारियों में

पाटन। राजिम भक्तिन माता की जयंती महोत्सव समारोह की तैयारियों को लेकर परिक्षेत्रीय साहू संघ अरसनारा पूरी तरह सक्रिय हो गया है। आगामी 8 जनवरी को ग्राम देमार में आयोजित होने वाले इस भव्य आयोजन की रूपरेखा को अंतिम रूप देने हेतु परिक्षेत्रीय अध्यक्ष किशन हिरवानी के निर्देश पर परिक्षेत्र अंतर्गत सभी इकाइयों में बैठकें आयोजित की जा रही हैं। अब तक 17 इकाइयों में बैठक सम्पन्न हो चुकी है।

गौरतलब है कि राजिम जयंती का आयोजन प्रथम बार किया जा रहा है, जिसे लेकर साहू समाज में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। आयोजन की तैयारियों में परिक्षेत्रीय स्तर के सभी पदाधिकारी सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।

कार्यक्रम में स्थानीय इकाइयों के पदाधिकारी एवं समाज के सदस्य बड़ी संख्या में शामिल होंगे। जयंती के दिन ग्राम देमार में भव्य कलश शोभायात्रा निकाली जाएगी, इसके पश्चात पूजा-अर्चना, राजिम जयंती महोत्सव, सम्मान समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के साथ होगा।

स्थानांतरण नीति 2025 की धज्जियां उड़ाने में जुटे पशुपालन विभाग के अधिकारी, अजाक्स ने उठाया सवाल

राजनांदगांव (समय दर्शन)। राज्य शासन द्वारा पारित स्थानांतरण नीति 2025 को लेकर सवाल उठने लगे हैं। सामान्य प्रशासन विभाग के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद पशुपालन विकास विभाग में संलग्नीकरण का खेल चल रहा है, और विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से यह नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

स्थानांतरण नीति के बिंदु क्रमांक 3.16 में यह स्पष्ट कहा गया है कि स्थानांतरण आदेश जारी होने के 15 दिनों के भीतर संबंधित अधिकारी को एकतरफा कार्यमुक्त कर दिया जाना चाहिए, अन्यथा उन पर कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। वहीं, बिंदु 3.17 के अनुसार, 5 जून 2025 से सभी संलग्नीकरण स्वतः समाप्त माने जाएंगे। लेकिन विभाग में यह नियमों की खुली अवहेलना की जा रही है।

अजाक्स संघ जिला राजनांदगांव द्वारा जिला प्रशासन को सौंपे गए आवेदन में आरोप लगाया गया है कि पशुपालन विभाग में भेदभावपूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है। संघ के मुताबिक, अनुसूचित जाति वर्ग के डॉ. सत्यजीत मेश्राम, डॉ. विकास मेश्राम और डॉ. संदीप इंदुलकर को स्थानांतरण आदेश के तुरंत बाद एकतरफा कार्यमुक्त कर दिया गया, जबकि उसी आदेश में शामिल डॉ. फनेश्वर कुमार साहू, डॉ. प्रेम कुमार देवांगन और डॉ. सुनील कुमार त्रिपाठी अभी भी अपने पुराने पद पर कार्यरत हैं और नियमित वेतन ले रहे हैं। यह स्पष्ट रूप से स्थानांतरण नीति का उल्लंघन है और समानता के अधिकार अधिनियम का भी उल्लंघन है।

अजाक्स संघ के जिलाध्यक्ष मेघनाथ भुआर्य ने इस पर गहरी नाराजगी जताई है और कहा कि विभाग में मनमानी संलग्नीकरण के कारण एक विशेष वर्ग को लाभ पहुँचाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि सात दिनों के भीतर सभी नियमों के खिलाफसंलग्नीकरण समाप्त नहीं किए गए और संबंधित अधिकारियों को कार्यमुक्त नहीं किया गया, तो अजाक्स जिला राजनांदगांव के द्वारा विभागीय कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

यह मामला दर्शाता है कि कुछ अधिकारी स्थानांतरण नीति का उल्लंघन करके अपने चहेतों को लाभ पहुँचाने में लगे हैं। वहीं, शासन के उच्चाधिकारी या तो इस पूरे मामले से अनजान हैं या जानबूझकर इस पर आंखें मूंदे हुए हैं। अब यह देखना बाकी है कि शासन इस खुलेआम हो रहे नियम उल्लंघन पर क्या ठोस कदम उठाता है।

राईस मिल से रात के अंधेरे में अवैध धान तस्करी का खेल

पिरदा धान खरीदी केंद्र में खपाने लाये गये धान को किया गया ज़ब्त

बसना(समय दर्शन)। बसना क्षेत्रांतर्गत के शरहद एवं पिथौरा विकासखण्ड के धान घोटाले के लिए बहुचर्चित धान खरीदी केंद्र पिरदा में बीती रात अवैध धान तस्करी का गंभीर मामला सामने आया है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार रात करीब 10.30 बजे लगभग बाहर से अवैध रूप से धान लाकर मंडी परिसर में उतारा जा रहा था। धान को राईस मिल से लाकर खरीदी केंद्र में खपाने की कोशिश की जा रही थी।

गांव के कोटवार द्वारा आवाज लगाने तथा एसडीएम व तहसीलदार के निर्देश के बावजूद मंडी गेट नहीं खोला गया। गेट अंदर से बंद रखा गया था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नायब तहसीलदार ललित सिंह ने साहस और तत्परता दिखाते हुए गेट का ताला तुड़वाकर जांच शुरू कराई।

इस कार्रवाई में एसडीएम तथा बसना थाना प्रभारी के सहयोग से मौके पर जांच की गई।

अपुष्ट सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस पूरे मामले में धान खरीदी प्रभारी रोहित पटेल एवं मंडी प्रबंधक की अहम् भूमिका बताई जा रही है। रोहित पटेल के द्वारा पांच,छः वर्ष पहले भी करोड़ों रूपये के धान घोटाले में IPC की धारा 420 के तहत् जेल जा चुका है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मंडी के भीतर ताला बंद कर ट्रक खाली करते हुए 15 से 17 लोग मौजूद थे। जब प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची तो गेट नहीं खोला गया और कई लोग दीवार फांदकर भागते नजर आए।

तहसीलदार और एसडीएम के अनुसार सूचना मिलते ही प्रशासनिक दल मौके पर पहुंचा। इस दौरान एक स्विफ्ट कार क्रमांक छ्त्र-06,, त्रस -8219, दूसरी कार छ्त्र-06,, ॥- 8702 तथा धान से भरी गाड़ी छ्त्र-06,, त्रक्र -8702 मौके पर मिली। जांच में पाया गया कि यह पुराना धान था, जिसे देर रात मालती राईस मिल से लाकर खरीदी केंद्र में खपाया जा रहा था।

पुलिस एवं प्रशासनिक टीम ने मौके पर पंचनामा तैयार कर लिया है और पूरे प्रकरण की बारीकी से जांच की जा रही है। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष भी इसी धान खरीदी केंद्र में इसी तरह के मामले का खुलासा हो चुका है, जिससे इस बार सख्त कार्रवाई के संकेत दिए जा रहे हैं।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी एवं वैधानिक कार्रवाई की जायेगी।

खपरीकला कबड्डी प्रतियोगिता में शामिल हुए जोगी कांग्रेस नेता शमसूल आलम

राजनांदगांव। प्रतिवर्ष की तरह इस साल भी ग्राम खपरी कला में दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अजीत जोगी युवा मोर्चा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष शमसूल आलम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

प्रतियोगिता में विशिष्ट अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता ऋषि टंडन, मुकेश साहू, युवा मोर्चा जिला महासचिव ऋषभ रामटेके, उदित हरिहरनो, गौरव कसार और अनवर खान भी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

मुख्य अतिथि शमसूल आलम और विशिष्ट अतिथि ऋषि टंडन ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए ऐसे आयोजनों की आवश्यकता है। साथ ही उन्होंने प्रतियोगिता में भाग ले रहे सभी खिलाड़ियों को अपनी टीम की जीत के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष उज्जवल निर्मलकर को सफल आयोजन के लिए बधाई दी गई। उन्होंने आयोजन में शामिल सभी लोगों का आभार व्यक्त किया और इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के आयोजन से ग्रामवासियों और युवाओं के बीच खेल भावना को प्रोत्साहन मिलता हैए ऐसा भी बताया। प्रतियोगिता में गांव के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों के खिलाड़ियों ने भी हिस्सा लिया, जो इस आयोजन को और भी आकर्षक और प्रतिस्पर्धात्मक बनाते हैं।

सतनामी स्वाभिमान एवं सम्मान शताब्दी यात्रा का आगाज

रायपुर (समय दर्शन)। अखिल भारतीय सतनामी महासभा के स्थापना के 100वर्ष पूरा होने पर महंत बाड़ा बिलासपुर राजमहंतों द्वारा सतनामी सम्मान स्वाभिमान शताब्दी वर्ष यात्रा निकाल कर अखिल भारतीय सतनामी महासभा के संस्थापक जगत गुरु गोसाई अगम दास एवं उनके राजमहंत नैन दास महिलांग गौ भक्त राजमहन्त जुगतूराम सोनवानी, रति राम कौशले मालगुजार राजमहंतअंजोर दास कोशले, राजमहंत रनसाय कोसरिया अन्य महंत जनों द्वारा सतनामी समाज के सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक स्थिति, शैक्षणिक स्थिति राजनीतिक स्थिति को मजबुती,सुदृढ़ीकरण एवं सर्वांगीण विकास सम्मान पूर्वक जीवन जीने अधिकार दिलवाने वर्ष 1924-25में गठन किया गया था।

जिनके तहत मध्यप्रदेश में 108राजमहंत, जिला महंतों की नियुक्ति कर सामाजिक व्यवस्था के संचालन मुख्य रूप गुरु, महंत भंडारी छड़ी दार अथगवा कमेटी के माध्यम किया जाता रहा है। जगत गुरु गोसाई अगम दास जी एवं उनके राजमहंत नैन दास महिलांग गौ, राजमहंत रति राम कौशले मालगुजार भक्त राजमहंत जगतू राम सोनवानी, राजमहंत अंजोर दास कोशले राजमहंत रनसाय कोसरिया द्वारा ऐतिहासिक कार्य 1914द्ध15में गौ माता की सेवा करते गौ हत्या रोकने करमन डीह, ढाबाडीह ,नागपुर में ब्रिटिश सरकार द्वारा संचालित बूचड़खाना संघर्ष कर बंद करवाया,एवं 1925-26में सी पी बरार नागपुर में पिटिशन दायर कर सतनामियो को सम्मान एवं स्वाभिमान पूर्वक जीवन जीने अधिकार दिलवाए।

उनके कार्यों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते अखिल भारतीय सतनामी महासभा महंत बाड़ा बिलासपुर से राजमहंतों के नेतृत्व में जांजगीर, शक्ति जिला में सतनामी स्वाभिमान सम्मान शताब्दी यात्रा 29दिसंबर को ग्राम मुक्ता राजा से ठथारी, जैजेपुर ,तुषार, हसौद,छपोरा, सीपत,मालखरौद, पीहरिद (रात्रि विश्राम), नगझर, गोबरा डभरा,ज्वाली, किरारी, होते हुए राजमहंत सुंदरसाय बंजारे के ग्राम गभौद में समापन हुआ।

इस सतनामी स्वाभिमान सम्मान शताब्दी यात्रा में मुख्य रूप से वरिष्ठ राजमहंत दसे राम खांडे राजमहंत राजेश्वर भार्गव राजमहंत, राजमहंत प्यारेलाल कोसरिया,राजमहंत जे. पी. कोशले, राजमहंत सुंदरसाय बंजारे राजमहंत सुन्दर लाल सोनवानी, जिला महंत गछराम राम बघेल राजमहंत राजनारायण निराला, राजमहंत गण सर्व श्री,धनसायं बंजारे, गंगाराम लहरें,दीवानदास खाद्नदास, जिला महंत गण, झरन प्रेमदास, खड़बदन कुर्रे, रतन सिंह, गोविन्द, किशोर,दूजेराम, मैनेजर, राधेश्याम , गज्जू,अजय भारद्वाज , भागीरथी बंजारे रेशम लाल कुर्रे जिला अध्यक्ष सतनामी समाज के अलावा जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमल किशोर पटेल सरपंच पीतांबर पटेल संत ऋतुदास, धर्मसिंह बर्मन,दिनेश पटेल भूपेन पटेल, शैलेन्द्र बंजारे ,घासीराम अग्रवाल,भवन पटेल, नवल पटेल कलाकार साहित्यकार सामाजिक पदाधिकारी, कार्यकर्ता माता बहने सैकड़ों संख्या में भाग लिए।

समापन समारोह पर सभा को राजमहंत दसे राम खांडे, राजमहंत राजेश्वर भार्गव, राजमहंत जे पी कोशले, राजमहंत प्यारेलाल कोसरिया, ने संबोधित किया। राजमहंत सुन्दर साय बंजारे ने आभार प्रकट किया।

पदुमतरा में आज मां बगलामुखी महायज्ञ, 108 कुंडों में होगा हवन

राजनांदगांव। नव वर्ष की शुरुआत के साथ ही ग्राम पंचायत पदुमतरा में भक्ति और आस्था का माहौल बन गया है। यहां 1 जनवरी को 10 महाविद्याओं में से एक महाविद्या मां बगलामुखी का भव्य ज्ञान महायज्ञ आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर 108 हवन कुंडों में 108 जोड़ों द्वारा विधिवत हवन किया जाएगा। नववर्ष के दिन होने वाले इस आयोजन को लेकर क्षेत्रवासियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। आयोजकों के अनुसार यह महायज्ञ क्षेत्रवासियों और आयोजनकर्ताओं की सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना के साथ किया जा रहा है। इसके बाद 2 जनवरी से श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। आयोजन स्थल श्रीराम मंदिर परिसर, पदुमतरा रहेगा। मां बगलामुखी महायज्ञ में 108 जोड़े भाग लेंगे। मुख्य यजमान के रूप में ओमप्रकाश साहू एवं उनकी धर्मपत्नी कविता ओमप्रकाश साहू रहेंगे। विशाल यज्ञ के माध्यम से ग्राम और अंचल की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की जाएगी। महायज्ञ के पश्चात 2 जनवरी को विशाल कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत ज्ञान सप्ताह की शुरुआत होगी। पहले दिन श्रीमद् भागवत पूजन एवं गोकर्ण महात्म्य की कथा का श्रवण कराया जाएगा। व्यासपीठ से कथा वाचन छत्तीसगढ़ के गौरव, माटीपुत्र राष्ट्रीय कथावाचक आचार्य पंडित रामानुज युवराज पाण्डेय (श्री जगन्नाथ मंदिर, अमलीपदर/देवभोग) करेंगे। श्रीराम मंदिर ट्रस्ट एवं महिला समूह के माध्यम से आयोजित इस धार्मिक आयोजन के संबंध में पूर्व जनपद सदस्य ओमप्रकाश साहू ने बताया कि यह आयोजन लोगों के ज्ञानवर्धन और सुख-समृद्धि की कामना से किया जा रहा है। इसके लिए आसपास के गांवों में व्यापक रूप से निमंत्रण दिया जा चुका है, ताकि अधिक से अधिक श्रद्धालु श्रीमद् भागवत ज्ञान सप्ताह का लाभ ले सकें। नववर्ष पर आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान से पदुमतरा सहित आसपास के गांवों में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है।

लोहड़ीपुर में विराट हिन्दू सम्मेलन, संकीर्तन एवं भागवत का भव्य आगाज

बसना (समय दर्शन)। जमदरहा मंडल अंतर्गत ग्राम लोहड़ीपुर में विराट हिन्दू सम्मेलन एवं भव्य संकीर्तन एवं भागवत का आयोजन बड़ी श्रद्धा, विश्वास और अनुशासित वातावरण में हुआ ।

विराट हिन्दू सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य हिन्दू समाज को संगठित करना एवं सनातन संस्कृति के मूल्यों को सुदृढ़ करना तथा सामाजिक समरसता का संदेश देना रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सनातनी बंधुओं, माताओं, बहनों की उपस्थिति रही।कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता ,भगवान श्री राम की प्रतिमा में पूजन हवन एवं धूप दीप एवं पारंपरिक संकीर्तन एवं भागवत के साथ हुआ।

इस दौरान भजन कीर्तन की मधुर स्वरऔर हरिबोल जय श्री राम के जय घोष से सम्पूर्ण क्षेत्र संगीतमय ,भक्तिमय हो गया।

स्थानीय संकीर्तन एवं भागवत मण्डली लोहड़ीपुर,पतेरापाली, कुरमाडीह की प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं के मन को भावविभोर कर दिया।

मुख्य वक्ता बसंत देवता जिला मंत्री विश्व हिंदू परिषद महासमुंद द्वारा अपने संबोधन में कहा कि हिंदू समाज की वास्तविक शक्ति ,संस्कृति, परंपरा और संगठन में निहित है।उन्होंने लोगों से सनातन संस्कृति पर गर्व करने और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका

निभाने का आह्वान किया।विशिष्ट वक्ता के रूप में पंचराम गहिर खण्ड कार्यवाह बसना द्वारा विश्व हिंदू परिषद ने हिन्दू सम्मेलन को समाज को दिशा देने वाला आंदोलन बताया तथा संगठन की आवश्यकता पर बल दिया।

विराट हिन्दू सम्मेलन को सफलता दिलाने में विशेष सहभागिता ग्राम लोहड़ीपुर के ग्रामीण जनों एवं जमदरहा मंडल अंतर्गत जमदरहा, जमनीडीह, पुरुषोत्तमपुर ,कलवारडबरी, भालुकोना,पतेरपाली,लोहड़ीपुर,संबहली, बनडबरी, ललितपुर,ललितपुर टुकड़ा, गायत्रीपुर,कुरमाडीह के ग्रामीण जनों, माताओं, बहनों का तन,मन धन के साथ विशेष योगदान, सहभागिता रहा।

विराट हिन्दू सम्मेलन में सभी के सहयोग से भोजन प्रसाद, चाय की व्यवस्था की गई। विराट हिंदू सम्मेलन के दौरान तुलसी दिवस मनाया गया तथा तुलसी पूजन बिधि विधान एवं हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम में सभी सभी सनातनी भाई बहनों के मन मे खुशी, हर्ष एवं आनंद की माहौल एवं भक्ति का संचार हुआ। समापन पर आयोजकों ने अतिथियों, वक्ताओं एवं उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त किया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26